वर्ष-10 अंक-240 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, गुरुवार 05 दिसम्बर 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

आधुनिक समाचार नेटवर्क

संक्षिप्त समाचार

बैठक के लिए मुंबई पहुंची सीतारमण; रुपाणी बोले- पार्टी की परंपरा के अनुसार ही होगा विधायक दल का नेता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महायुति गठबंधन के विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए आयोजित बैठक का हिस्सा बनने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ गुरजरात के पूर्व सीएम विजय

रूपाणी मुंबई पहुंचे। जहां रूपाणी ने कहा कि नवनिर्वाचित विधायकों से बातचीत के बाद विधायक दल का नेता चुना जाएगा। महाराष्ट्र में नई सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारियों के बीच बुधवार को भाजपा विधायक दल की अहम बैठक है। बैठक के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री और गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी को मुंबई भेजा गया। जानकारी के अनुसार दोनों वरिष्ठ नेताओं को मुंबई केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाकर भेजा गया है। बता दें कि आज महाराष्ट्र भाजपा के दलों की बैठक होनी है, जिसमें विधयक दल का नेता चुना जाना है। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री ने मुंख्यमंत्री विजय रुपाणी ने मुबंई पहुंचने के बाद कहा कि नवनिर्वाचित विधायकों से बातचीत के बाद विधायक दल का नेता चुना जाएगा। उन्होंने कहा कि नेता का चुनाव पार्टी की परंपरा के अनुसार किया जाएगा और उसके बाद नाम की घोषणा की जाएगी। जानकारी के अनुसार इससे पहले देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार शाम को कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके सरकारी आवास वर्षा पर मुलाकात की। दोनों के बीच एक घंटे की बैठक का हालांकि विस्तृत ब्योरा प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक इसे भिन्न नजरिये से देख रहे हैं।

राकांपा नेता की हत्या में मुख्य साजिशकर्ता अनमोल, मुंबई पुलिस ने अदालत को बताया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के प्रावधानों का हवाला देते हुए मामले में अदालत से आठ आरोपियों की रिमांड की मांग की। विशेष मकोका अदालत के न्यायाधीश एएम पाटिल ने मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम सहित आठ आरोपियों को 7 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की 12 अक्तूबर को मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल बिश्नोई का नाम मुख्य साजिशकर्ता के रूप में सामने आया है। मुंबई पुलिस ने मंगलवार को एक विशेष अदालत में इस बात की जानकारी दी। पुलिस ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के प्रावधानों का हवाला देते हुए मामले में अदालत से आठ आरोपियों की रिमांड की मांग की। विशेष मकोका अदालत के न्यायाधीश एएम पाटिल ने मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम सहित आठ आरोपियों को 7 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।अनमोल बिश्नोई को हाल ही में अमेरिका में गिरफ्तार किया गया था और वहां जेल में बंद है। अनमोल को सिद्दीकी हत्याकांड में वांछित आरोपी के रूप में दिखाया गया है।

देश में 59 हजार व्हाट्सएप अकाउंट होंगे बंद, सरकार ने संसद में दी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पुलिस अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इंडियन साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर ने देश में 1700 स्काईप आईडी और 59 हजार व्हाट्सएप खातों

15 नवंबर, 2024 तक सरकार ने 6.69 लाख से अधिक सिम कार्ड और 1.32 लाख IMEI ब्लॉक कर दिए हैं। गृह मंत्रालय की शाखा की पहचान की है, जिन्हें ब्लॉक किया जाएगा। दरअसल इन खातों का इस्तेमाल डिजिटल धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट जैसे गैरकानूनी कामों के लिए हो रहा है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने यह भी कहा कि 2021 में इंडियन साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर के तहत शुरू की गई 'नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली' धोखेबाजों द्वारा धन की हेराफेरी को रोकने के लिए वित्तीय धोखाधड़ी की तत्काल रिपोर्टिंग को सक्षम बनाती है और इससे अब तक 9.94 लाख से अधिक शिकायतों से 3,431 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की गई है। पुलिस अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 15 नवंबर, 2024 तक सरकार ने 6.69 लाख से अधिक सिम कार्ड और 1.32 लाख IMEI ब्लॉक कर दिए हैं।

भारत-ओमान रणनीतिक परामर्श समूह की 13वीं बैठक, दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खलीफा अल्हार्थी के साथ अपनी बैठक के दौरान भारत-ओमान संबंधों की ताकत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ओमान खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी), अरब लीग और हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) जैसे क्षेत्रीय संगठनों के भीतर एक महत्वपूर्ण साझेदार है। सोशल मीडिया पोस्ट में एस जयशंकर ने कहा, ओमान के राजनीतिक मामलों के अवर सचिव खलीफा अलहार्थी का स्वागत करके खुशी हुई। व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के प्रति हमने आपसी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा, हमारे द्विपक्षीय संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक संबंधों पर आधारित हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क 5,000 साल पुराना है, जबकि राजनयिक संबंध 1955 में शुरू हुआ था। हमारे रणनीतिक, राजनीतिक और आर्थिक जुड़ाव दोनों देशों की बढ़ती साझेदारी को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ओमान भारत की पश्चिम एशिया नीति में अपने सबसे पुराने क्षेत्रीय रणनीतिक साझेदार के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खलीफा अल्हार्थी के साथ अपनी बैठक के दौरान भारत-ओमान संबंधों की ताकत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ओमान खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी), अरब लीग और हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) जैसे क्षेत्रीय संगठनों के भीतर एक महत्वपूर्ण साझेदार है। भारत और ओमान ने मंगलवार को नई दिल्ली में भारत-ओमान रणनीतिक सलाहकार समूह (आईओएससीजी) की 13वीं बैठक की। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय (एमईए) के सचिव अरुण कुमार चटर्जी और ओमान के विदेश मंत्रालय में राजनीतिक मामलों के अवर सचिव शेख खलीफा अल्हार्थी ने की। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक में राजनीतिक और रणनीतिक सहयोग, व्यापार और निवेश, ऊर्जा, समुद्री और रक्षा साझेदारी, डिजिटल सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों से लोगों के संबंधों पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचार साझा किए। इस दौरान मस्कट में आईओएससीजी की अगली बैठक एक सुविधाजनक तारीख पर आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की।ओमान के अवर सचिव शेख

मणिपुर में हथियारों के जखीरे के साथ तीन गिरफ्तार, दो हजार से अधिक जवान तैनात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इंटरनेट पर रोक बढ़ीगृह विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेरजावल और जिरीबाम में 5 दिसंबर की शाम 5.15 बजे तक निलंबन बढ़ा दिया गया है। मणिपुर सरकार ने मंगलवार को राज्य के नौ जिलों में मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध 5 दिसंबर तक बढ़ा दिया। मणिपुर और असम में क्रमशः जिरी और बराक नदियों में तीन महिलाओं और तीन बच्चों के शव बरामद होने के बाद राज्य में हिंसा भड़कने के बाद 16 नवंबर से इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित हैं। उधर, इंफाल पूर्व में पुलिस ने तीन लोगों को हथियार और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया है। इनके साथ एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया हे। वहीं, वहीं, 25 नवंबर से लापता मैतेई व्यक्ति की तलाश के लिए सेना ने 2,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेरजावल और जिरीबाम में 5 दिसंबर की शाम 5.15 बजे तक निलंबन बढ़ा दिया गया है। बता दें कि स्वास्थ्य सुविधाओं, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य कार्यालयों को होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने 19 नवंबर को ब्रॉडबैंड सेवाएं (आईएलएल और एफटीटीएच) पर से प्रतिबंध को हटा दिया था। मणिपुर एकता समन्वय समिति (सीओसीओएमआई) ने मंगलवार को केंद्र सरकार से भारत-म्यांमार सीमा की सुरक्षा करने और सशस्त्र उग्रवादी समूहों के बुनियादी ढांचे को नष्ट करने की मांग की। यह समिति मणिपुरी मैतेई नागरिक समाज संगठनों का एक छत्र संगठन है। समिति ने कहा कि सुरक्षा बलों और कूकी सशस्त्र समूहों के बीच मिलीभगत के आरोपों की पारदर्शी जांच की जानी चाहिए। केंद्र को भारत-म्यांमार सीमा की सुरक्षा करने और राज्य में उग्रवादी समूहों के बुनियादी ढांचे को निर्धारित समय में नष्ट करने के लिए निर्णायक कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, संघर्ष, अफीम की खेती, अवैध हथियारों की तस्करी, नशीले पदार्थों की तस्करी और मणिपुर में जनसांख्यिकी संतुलन को बहाल करने के लिए एक समग्र रणनीति की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में पिछले साल मई से जारी हिंसा में अब तक करीब 258 लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। इंफाल पूर्व जिले में हथियारों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निमगोंबम लेम्बा सिंह, मंगशाताबम पोइरेंगांबा मितेई और लैशराम बिद्यास सिंह के रूप में हुई है। उनके साथ एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने इनके पास से एक राइफल, एक मैगजीन और पांच कारतूस, एक .32 पिस्तौल के साथ मैगजीन, तीन मोबाइल फोन और एक चार पहिया वाहन बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि इन सभी को गांव सबल लेकाई से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे वसूली और अन्य आपराधिक गतिविधियों के मकसद से घूम रहे थे।

महाराष्ट्र में क्या होगा सरकार का स्वरूप, भाजपा शिवसेना और राकांपा में कैसे बंटेंगे मंत्रिमंडल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अगर महायुति में नए फॉर्मूले के तहत मंत्री पदों का बंटवारा होता है तो दलों में सिर्फ विभागों को लेकर ही चर्चा बाकी रह जाएगी, जो कि शपथग्रहण के बाद भी तय हो सकती है। महाराष्ट्र में पांच दिसंबर को नई सरकार का शपथग्रहण होना है। महायुति गठबंधन की तरफ से अब तक इस बात का खुलासा नहीं किया गया है कि उसकी तरफ से मुख्यमंत्री पद किसे मिलेगा। हालांकि, यह लगभग तय है कि भाजपा के देवेंद्र फडणवीस एक बार फिर राज्य के मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल करेंगे। वहीं, इससे पहले सीएम रहे एकनाथ शिंदे के डिप्टी सीएम बनने की चर्चाएं हैं। इसके अलावा पिछली सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे अजित पवार के फिर से इसी पद पर रहने की बातें भी सामने आई हैं। हालांकि, यह तीनों ही नेता कैबिनेट में मंत्री पदों का बंटवारा कैसे करेंगे, यह अब तक साफ नहीं है इस

को लेकर ही चर्चा बाकी रह जाएगी, जो कि शपथग्रहण के बाद भी तय हो सकती है। महाराष्ट्र में पांच दिसंबर को नई सरकार का शपथग्रहण होना है। महायुति गठबंधन की तरफ से अब तक इस बात का खुलासा नहीं किया गया है कि उसकी तरफ से मुख्यमंत्री पद किसे मिलेगा। हालांकि, यह लगभग तय है कि भाजपा के देवेंद्र फडणवीस एक बार फिर राज्य के मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल करेंगे। वहीं, इससे पहले सीएम रहे एकनाथ शिंदे के डिप्टी सीएम बनने की चर्चाएं हैं। इसके अलावा पिछली सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे अजित पवार के फिर से इसी पद पर रहने बीच कई धड़ों में चर्चा है कि भाजपा, शिवसेना और राकांपा मंत्रिमंडल गठन के लिए 6-1 का फॉर्मूला अपनाएंगी। यानी हर छह विधायकों के लिए पार्टी को एक मंत्री पद मिलेगा। इस फॉर्मूले की मानें तो महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा मंत्री भाजपा के होंगे, जिसने चुनाव में 132 सीटें जीती हैं। इसके बाद शिवसेना और राकांपा को भी मंत्री पद में फायदे का सौदा मिलने की संभावना है।इस फॉर्मूले के आधार पर अगर आंकड़ों की बात करें तो भाजपा को मंत्रिमंडल में 20 से 22 पद मिल सकते हैं। वहीं एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 12 मंत्री पद और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को 9-10 मंत्री पद मिलेंगे। अगर महायुति में इस तरह मंत्री पदों का बंटवारा होता है तो दलों में सिर्फ विभागों को लेकर ही चर्चा बाकी रह जाएगी, जो कि शपथग्रहण के बाद भी तय हो सकती है। एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री पद से हटने के एवज में शिवसेना नई सरकार में कुछ अहम मंत्रालयों की मांग कर सकती है। पार्टी ने पहले ही कहा था कि उसे गृह मंत्रालय चाहिए। इससे पहले गृह मंत्रालय कई साल तक देवेंद्र फडणवीस के पास रहा है। ऐसे में शिवसेना डिप्टी सीएम पद लेने के साथ अपने लिए गृह मंत्रालय मांग सकती है। दूसरी तरफ राकांपा ने मंत्रिमंडल में शिंदे शिवसेना के बराबर ही सम्मान मिलने की मांग रखी है पार्टी के नेता छगन भुजबल ने हाल ही में कहा था कि उनकी पार्टी का स्ट्राइक रेट बेहतर था और इसी लिहाज से मंत्री पदों का बंटवारा भी होना चाहिए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आए। इन नतीजों में महायुति ने कुल 288 विधानसभा सीटों में से 235 सीटें हासिल कीं। भाजपा ने सबसे अधिक 132 सीटें जीतीं, जबकि उसके सहयोगी दल-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 सीटें जीतीं और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 41 सीटें जीतीं। इसके अलावा पांच सीटें महायुति में शामिल अन्य दलों- जन सुराज्य शक्ति (2), राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी (1) और राष्ट्रीय समाज पक्ष (1) ने जीतीं। इसके विपरीत लोकसभा में अधिक अधिक सीटें जीतने वाले महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को विधानसभा चुनावों में करारा झटका लगा। एमवीए में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने 20 सीटें जीतीं, कांग्रेस ने 16 सीटें हासिल कीं और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (शपा) को सिर्फ 10 सीटें मिलीं। महाराष्ट्र में महायुति की ऐतिहासिक जीत के बाद सरकार बनाने की कवायद तेज हो गई। गठबंधन के घटक भाजपा, शिवसेना व एनसीपी में अलग-अलग बैठकों का दौर शुरू हो गया। साथ ही सीएम पद को लेकर दबाव बनाने की राजनीति भी शुरू हो गई। नतीजे के अगले ही दिन यानी 24 नवंबर को एनसीपी के विधायक दल की बैठक हुई जिसमें अजित पवार को नेता चुना गया। पार्टी के नेता छगन भुजबल ने अजित पवार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। वहीं, शिवसेना विधायकों ने एकनाथ शिंदे को अपना नेता चुना।

अब स्वदेशी ड्रोन नागास्त्र-1 से सटीक निशाना साधेगी सेना भारत का अपना पहला मानव पोर्टेबल आत्मघाती हथियार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नागास्त्र-1 भारत में अपनी तरह का पहला मानव-पोर्टेबल आत्मघाती ड्रोन है, जो सैनिकों की जान को खतरे में डाले बिना लॉन्च पैड्स, प्रशिक्षण शिविरों और घुसपैठियों पर सटीक निशाना लगाने के लिए बनाया गया है। भारतीय सेना ने नागास्त्र-1 को लक्ष्य के ऊपर मंडराने की क्षमता के कारण लोइटरिंग म्यूनिशन नाम भी दिया है। इसमें

बिना लॉन्च पैड्स, प्रशिक्षण शिविरों और घुसपैठियों पर सटीक निशाना लगाने के लिए बनाया गया है। स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन प्रणाली 'नागास्त्र-1' से सेना अब दुश्मन पर पहले से और सटीक निशाना लगाने में सक्षम होगी। नागपुर की सोलर इंडस्ट्रीज ने इसे तैयार किया है और सेना को 480 नागास्त्र-1 सौंपे हैं। नागास्त्र-1 भारत में अपनी तरह का पहला मानव-पोर्टेबल आत्मघाती ड्रोन है, जो सैनिकों की जान को खतरे में डाले बिना लॉन्च पैड्स, प्रशिक्षण शिविरों और घुसपैठियों पर सटीक 75 फीसदी से अधिक सामग्री स्वदेशी है। इस ड्रोन की रेंज लगभग 30 किलोमीटर है और ये दो मीटर की सटीकता के साथ जीपीएस-सक्षम सटीक हिट करने में सक्षम हैं। हकम ध्वनिक संकेत प्रदान करता है, जिससे 200 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर इसका लगभग पता नहीं चलता है। हयह ड्रोन दिन और रात्रि निगरानी कैमरों से लैस है और छोटे लक्ष्यों को बेअसर करने के लिए 1 किलो का उच्च विस्फोटक वारहेड ले जा सकता है।

दिसंबर में भी ज्यादातर राज्यों में तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा 15 के बाद बढ़ेगी ठंड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आमतौर पर दिसंबर के पहले हफ्ते का तापमान 24 से 26 डिग्री के आसपास रहता है।

इस बार सात दिसंबर तक तापमान 26 डिग्री से नीचे जाने की संभावना नहीं है। इसके 26 या 27 डिग्री पर रहने के आसार हैं। 2011 से अब तक दिसंबर के पहले हफ्ते में मौसम का ऐसा मिजाज नहीं दिखा था। इस बार दिसंबर का पहला हफ्ता पिछले एक दशक में सबसे गर्म हो सकता है देश के अधिकतर इलाकों में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा जा रहा है, जबकि दिसंबर का महीना शुरू हो चुका है। ज्यादातर राज्यों में न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक अधिक है। आमतौर पर दिसंबर के पहले हफ्ते का तापमान 24 से 26 डिग्री के आसपास रहता है। इस बार सात दिसंबर तक तापमान 26 डिग्री से नीचे जाने की संभावना नहीं है। इसके 26 या 27 डिग्री पर रहने के आसार हैं। 2011 से अब तक दिसंबर के पहले हफ्ते में मौसम का ऐसा मिजाज नहीं दिखा था। इस बार दिसंबर का पहला हफ्ता पिछले एक दशक में सबसे गर्म हो सकता है। अक्तूबर और नवंबर माह में बारिश न होने के कारण ठंड का आगाज देरी से हो रहा है।

जीवन को पटरी पर लाने के लिए सरकार की एक और पहल, सुरक्षा के बीच प्रमुख जिलों में शुरू की जाएगी बस सेवा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पिछले साल मई में मैतेई और कुकी के बीच जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से मणिपुर में बार-बार हिंसा होती रही है। तब से अब तक कम से कम 258

लोग मारे जा चुके हैं। हालांकि अब राज्य सरकार लोगों के जीवन को सामान्य बनाने के लिए नए-नए कदम उठा रही है। मणिपुर पिछले साल मई से जातीय संघर्ष से जूझ रहा है। हालांकि, पहले से हिंसा में कमी आई है। केंद्र और राज्य सरकार स्थिति को सामान्य करने के लिए हरसंभव काम कर रही है। ऐसे में अब राज्य सरकार ने इंफाल से पहाड़ी जिलों तक कड़ी सुरक्षा के बीच फिर से अंतर जिला सार्वजनिक वाहनों का संचालन करने का फैसला किया है। बता दें, राज्य में 19 महीनों में सार्वजनिक परिवहन सेवा को फिर से शुरू करने की प्रशासन की यह दूसरी कोशिश होगी। यहां घाटी के प्रमुख मैतेई समुदाय और चुराचांदपुर तथा कुछ अन्य पहाड़ी क्षेत्रों में प्रमुख कुकी जनजातियों के बीच झड़पें होती रही हैं। मुख्य सचिव विनीत जोशी ने कहा, 'राज्य सरकार ने सुरक्षा बलों की उपलब्धता और विभिन्न एजेंसियों से मिली जानकारी के साथ राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। इसके साथ ही पर्याप्त संख्या में सुरक्षा तैनाती के साथ सार्वजनिक वाहनों का का आवागमन फिर से शुरू करने का फैसला किया।' सार्वजनिक वाहन इंफाल से कांगपोकपी होते हुए सेनापति तक और बुधवार से इंफाल से बिष्णुपुर होते हुए चुराचांदपुर तक चलाए जाएंगे। गौरतलब है, सेनापति नगा बहुल इलाका है, जबकि कांगपोकपी और चुराचांदपुर कुकी बहुल इलाके हैं। इंफाल और बिष्णुपुर मैतेई बहुल इलाके हैं। एक अधिकारी ने बताया कि सरकार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि आवाजाही केवल निर्धारित घंटों तक ही सीमित रहेगी।

जस्टिस मनमोहन की नियुक्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट में अब 33 जज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जस्टिस मनमोहन दिल्ली हाईकोर्ट में सबसे वरिष्ठ होने के अलावा हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की संयुक्त अखिल भारतीय वरिष्ठता में क्रम संख्या दो पर थे। 13 मार्च, 2008 को जस्टिस मनमोहन को दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। 29 सितंबर, 2024 से वह हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनमोहन को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। कानून एवं न्याय मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए न्यायमूर्ति मनमोहन को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया है जस्टिस मनमोहन की नियुक्ति के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सहित जजों की स्वीकृत संख्या 34 है। सीजेआई संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने 28 नवंबर को जस्टिस मनमोहन को पदोन्नत करने की सिफारिश की थी। जस्टिस मनमोहन दिल्ली हाईकोर्ट में सबसे वरिष्ठ होने के अलावा हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की संयुक्त अखिल भारतीय वरिष्ठता में क्रम संख्या दो पर थे।

सीएम योगी कर सकते हैं महाकुंभ मेले में बने केंद्रीय हॉस्पिटल और खोया पाया केंद्र का उद्घाट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। पीएम मोदी के दौरे से पूर्व सीएम योगी प्रयागराज में विजन और मार्गदर्शन के मुताबिक मेला प्राधिकरण और अन्य सभी विभाग महाकुंभ की तैयारियों में निगम व अन्य कई विभागों के निर्माण कार्य प्रयागराज में चल रहे हैं। इनमें से कई कार्य पूरे हो चुके हैं और

निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण और समीक्षा करेंगे। इस दौरान वह अलोपीबाग फ्लाई ओवर,6 लेन गंगा सेतु, गंगा रिवर फ्रंट रोड और शिवालय पार्क का भी निरीक्षण कर सकते हैं। इसके साथ ही वह महाकुंभ की सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को करेंगे संबोधित कर उनका हौसला बढ़ाएंगे। प्रयागराज विश्व से सबसे बड़े मानवीय समागम और सनातन संस्कृति के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ 2025 का साक्षी बनने जा रहा है। दुनिया के कोने-कोने से 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के महाकुंभ में आने का अनुमान है। मुख्यमंत्री महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहते। उनके पूरे जोश और उत्साह के साथ कार्यरत हैं। 13 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुंभ के निर्माण कार्यों का निरीक्षण और उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री स्वयं प्रयागराज आ रहे हैं। इस अवसर पर वो मेला क्षेत्र में बने केंद्रीय हॉस्पिटल और खोया पाया केंद्र का उद्घाटन व अन्य निर्माणाधीन प्रोजेक्टस का निरीक्षण भी करेंगे। महाकुंभ 2025, 13 जनवरी पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ शुरू होगा। इसके पहले महाकुंभ मेला नगरी के साथ-साथ प्रयागराज शहर में भी कई स्थाई व अस्थाई निर्माण कार्य हो रहे हैं। मेला प्राधिकरण के साथ-साथ, नगर निगम, पीडब्लूडी, प्रयागराज विकास प्राधिकरण, राज्य सेतु कई अंतिम दौर में है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ स्वयं महाकुंभ के इन निर्माण कार्यों का निरीक्षण और समीक्षा करने प्रयागराज आ रहे हैं। पीएम मोदी के आगमन से पूर्व सीएम योगी का प्रयागराज दौरा संभावित है। इस अवसर पर वो मेला क्षेत्र में बन रहे केंद्रीय हॉस्पिटल, खोया-पाया केंद्र और सेक्टर-1 में बन रहे पब्लिक एकमोडेशन सेंटर का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वह महाकुंभ क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण करेंगे। इसके साथ ही परेड ग्राउंड में बने पुलिस लाइन में महाकुंभ के लिए आए पुलिस कर्मियों को भी सम्बोधित करेंगे।

महाकुंभ के लिए केंद्र सरकार से मिलेंगे 2100 करोड़ रुपये, 1050 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। दिव्य, भव्य, डिजिटल महाकुंभ के लिए केंद्र सरकार ने 1050 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की है। योगी सरकार पहले ही 5435 करोड़ से अधिक की के रूप में 1050 करोड़ रुपये जारी कर दिये हैं। बता दें कि महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 के मध्य निर्धारित है। महाकुंभ मेला के सकुशल आयोजन के लिए भारत सरकार

व्यवस्था कर चुकी है। केंद्र से विशेष सहायता मिलने के बाद महाकुम्भ का आयोजन और ज्यादा सुव्यवस्थित और सुरक्षित होगा। प्रयागराज में आगामी जनवरी माह से शुरू हो रहे विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक समागम 'महाकुंभ-2025' के लिए केंद्र सरकार की ओर से बड़ा 'उपहार' भेजा गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार ने 2100 करोड़ रुपये की विशेष अनुदान सहायता राशि स्वीकृत करते हुए पहली किस्त से एकमुश्त विशेष सहायता अनुदान के रूप में धनराशि स्वीकृत किये जाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा केंद्र सरकार से विशेष से अनुरोध किया गया था। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पहले ही 5435.68 करोड़ रुपये भव्य, दिव्य और डिजिटल महाकुंभ के आयोजन पर खर्च कर रही है। सरकार द्वारा महाकुंभ के लिए 421 परियोजनाओं पर यह धनराशि खर्च की जा रही है। प्रदेश सरकार की ओर से अबतक 3461.99 लाख की वित्तीय स्वीकृति निर्गत की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों, जिसमें लोक निर्माण विभाग, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग, सेतु निगम, पर्यटन विभाग, सिंचाई, नगर निगम प्रयागराज, द्वारा विभागीय बजट मद से 1636.00 करोड़ रुपए की 125 परियोजनाओं को क्रियान्वित कराया जा रहा है।महाकुंभ 2025 के अन्तर्गत अवसंरचनात्मक सुविधायें, जिसमें रेलवे ओवरब्रिज, रेलवे अण्डरब्रिज, सड़कों का सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य, नदी के किनारे कटाव निरोधक कार्य सहित इंरलॉकिंग सड़क मार्ग, रिवर फ्रंट का निर्माण, स्मार्ट सिटी एवं प्रयागराज विकास प्राधिकरण के समन्वय से प्रयागराज को सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किये जाने की कार्ययोजना के अन्तर्गत समस्त चौराहों का थीम बेस्ड सौन्दर्यीकरण, आईटी बेस्ड मॉनिटरिंग इत्यादि कार्य एवं श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था का सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त स्वच्छ भारत मिशन एवं नगर निगम, प्रयागराज के समन्वय से शहर की साफ-सफाई एवं स्वच्छता के लिए उच्च कोटि की व्यवस्था की जा रही है। सॉलिड वेस्ट प्रबंधन एवं शहर को 100 प्रतिशत सीवरेज ट्रीटमेंट से आच्छादित किया जा रहा है।

अध्यक्ष के आदेश पर 2021 में ही निरस्त हो चुकी थी नोटिस, छात्र नाराज; फूंका पुतला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। यूपी कॉलेज की संपत्ति को लेकर वक्फ बोर्ड ने एक पत्र जारी किया है। इसके अनुसार, उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यूपी कॉलेज कि हम यूपी कॉलेज के छात्रों के साथ खड़े हैं। वक्क बोर्ड को सरकार जल्द से जल्द बैन कर शांति स्थापित करे। छात्रसंघ अध्यक्ष प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने कहा कि वक्क बोर्ड का गठन 1954 में हुआ है

प्रशासन को जारी नोटिस वर्ष 2021 में ही निरस्त किया जा चुका है। बोर्ड के लोगों ने अफवाहों पर ध्यान न देने की भी बात कही है।कुछ दिन पूर्व उदय प्रताप कॉलेज की संपत्ति पर वक्क बोर्ड न दावा किया था, जिसके विरोध में यूपी कॉलेज के छात्रों ने विरोध दर्ज कराते हुए हनुमान चालीसा पढ़ने की कोशिश की थी। वहीं, इस मामले को लेकर अब महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के छात्रों ने भी अपनी नाराजगी जताई। छात्रों ने वक्फ बोर्ड का पुतला दहन किया है। वहीं, यूपी कॉलेज में मौजूद मजार पर वक्फ बोर्ड द्वारा अपना दावा छोड़ने के बाद प्रिंसिपल डॉ. डीके सिंह ने सभी छात्रों से सौहार्द बरतने की अपील की है। छात्र नेता शिवम तिवारी ने कहा और यूपी कॉलेज का स्थापना 1909 में हुई थी। इस पर ध्यान दिया जाए तो यूपी कॉलेज की जमीन बोर्ड की कैसे हो सकती है। ज्ञानवापी की देखरेख करने वाली समिति अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के संयुक्त सचिव एसएम यासीन ने स्थिति साफ की।?उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यूपी कॉलेज प्रशासन को जारी नोटिस वर्ष 2021 में ही निरस्त किया जा चुका है। इसलिए कोई भी किसी भी के उकसावे में न आए और अफवाहों पर ध्यान न देकर शांतिपूर्ण तरीके से रहें इस संबंध में उन्होंने यूपी कॉलेज स्थित मस्जिद के संबंध में यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड से पत्राचार कर वास्तविक स्थिति की जानकारी मांगी

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

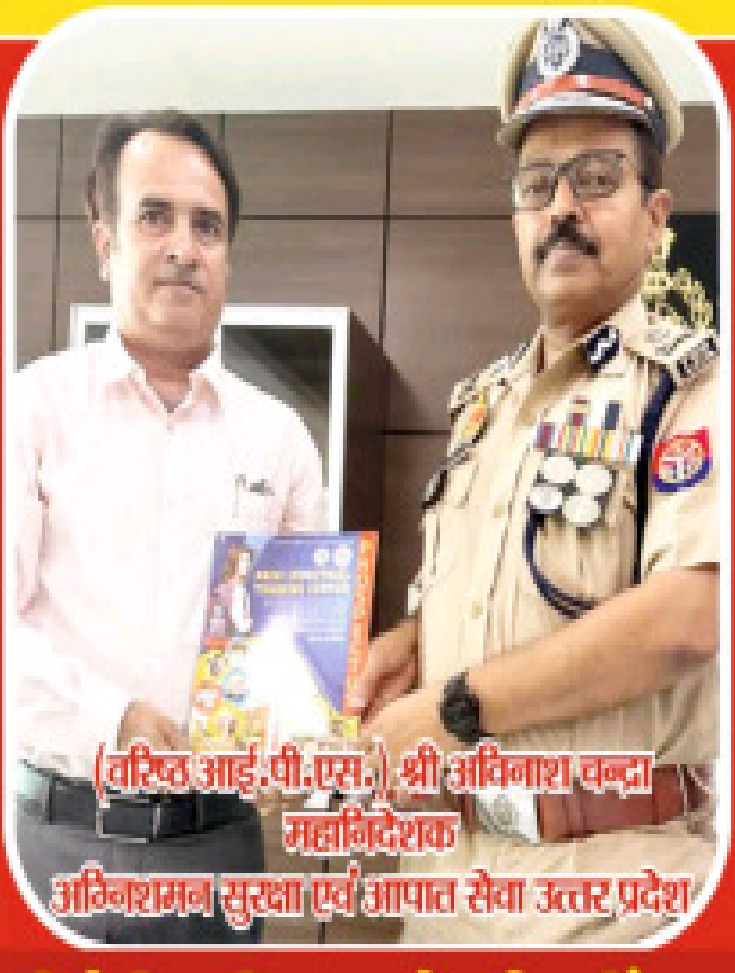

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

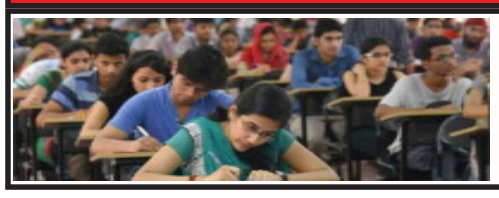

प्रदेश आस/पास

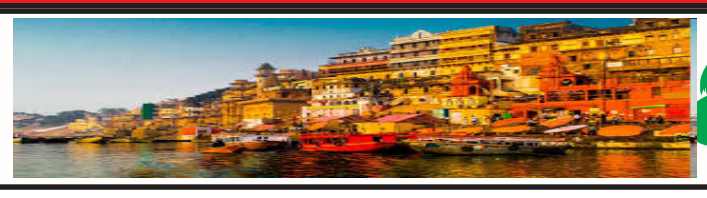

भारत

वाराणसी, रायबरेली

व्यापारी मनोज पांडेय होटल में प्रेसवार्ता करके अपनी सफाई प्रस्तुत की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली । व्यापारी मनोज पांडेय बजरंगदास के कथित नोटों की गिनती करते हुए वायरल वीडियो के संदर्भ में मनोज पांडेय ने आज शहर के एक होटल में प्रेसवार्ता करके अपनी सफाई प्रस्तुत की। उन्होंने कहा की जो पैसा वीडियो में दिख रहा है वह मेरा है और उसके कागजात मेरे पास है। उन्होंने कहा कि मैं व्यापारी हूं और पैसे का लेनदेन व्यापार में करना पड़ता है। मेरे पास बैंक के स्टेटमेंट है और मैं बड़ी रकम आयकर के रूप में सरकार को देता हूं। मेरा सारा लेनदेन सही और कानूनी है । जो भी एजेंसी जांच करेगी मैं उसके साथ सहयोग करूंगा और उसके कागजात मांगने पर सभी अभिलेख उसके समझ प्रस्तुत करूंगा। उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक कुछ एक सरकारी संस्था द्वारा मुझसे कागजात मांगे गए हैं। मैंने सभी कागजात उन्हें दिखाएं हैं ।भविष्य में भी जो भी जांच होगी मैं उसमें से सारे अभिलेख प्रस्तुत करूंगा। उन्होंने कहा कि जिस चैनल और जिस पत्रकार ने नोट गिनते हुए मेरा वीडियो वायरल किया है उन्होंने मुझे एक बहुत बड़े खतरे में डाल दिया है। इस वीडियो से मेरी हत्या भी हो सकती है ,मेरा अपहरण भी हो सकता है मुझसे भविष्य में रंगदारी भी मांगी जा सकती है ।इसकी शिकायत में संबंधित अधिकारियों से करूंगा और यह भी अनुरोध करूंगा की इस तरह मुझे जीवन के भय में डालने वाले लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए ।जिससे भविष्य में कोई किसी अन्य व्यापारी को जीवन भय में डाल सके ।उन्होंने कहा कि यदि मैंने गलती की है तो सरकारी संस्थाएं मुझे सजा देगी ।उन्होंने यह भी बताया कि यह वीडियो 1 साल पुराना है ।वीडियो बनाने वाले को इस वीडियो को आयकर विभाग को भेजना चाहिए था। लेकिन उसने यह वीडियो आयकर विभाग को न देकर जो कि इस तरह के मामलों में जांच करने की सक्षम संस्था है । इसको सोशल मीडिया पर और टीवी चैनलों पर वायरल कर दिया। उन्होंने अपनी सुरक्षा की मांग प्रशासन से की।

ग्रामीण बाजारों में शीघ्र लगेंगी सोलर स्ट्रीट लाइटें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली । पंडित दीनदयाल विकास योजना के चयनित ग्रामों में ग्रामीण बाजारों का चयन करते हुए 139 अदद सोलर लाइट अधिष्ठापित की जाएगी। परियोजना निदेशक ने बताया कि अभी तक 204 ग्रामीण बाजारों का प्रस्ताव प्राप्त हो चुका है। जिलाधिकारी ने उपस्थित खंड विकास अधिकारियों सहित डीपीआरओ को निर्देशित किया कि योजना को धरातल पर शीघ्र लागू कराया जाए। जिससे की योजना का लाभ जन सामान्य को मिल सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।
योजना के अंतर्गत ग्रामीण बाजारों में सोलर स्ट्रीट लाइट अधिष्ठापन हेतु बाजारों के चयन से संबंधित आवश्यक बैठक का आयोजन जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक यूपीनेडा से इस योजना से संबंधित अब तक हुई प्रगति की जानकारी ली। परियोजना निदेशक ने बताया कि पंडित दीनदयाल योजना के अंतर्गत जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्र में समस्त विकास खंडों से एक या दो मुख्य बाजारो में प्राथमिकता पर मुख्यमंत्री समग्र

साइंस सिटी का भ्रमण कर तकनीकी दुनिया में खोए बच्चे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली । सवाना के जंगलों, पहाड़ों के घने जंगलों में हलचल मचाने वाले जंगली जानवरों को देखने से लेकर लायन सफारी का आनंद अमावां ब्लॉक के बच्चों ने साइंस सिटी में लिया। राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता क्विज प्रतियोगिता में विजयी रहे बच्चों को लखनऊ की एक्सपोजर विजिट करके जानी। परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले क्लॉस 6 से 8 तक बच्चों को मंगलवार को आंचलिक केंद्र का भ्रमण कराया गया। एक्पोजर विजिट की बसों को हरी झंडी दिखाते हुए राम मिलन यादव ने बताया कि लखनऊ में बच्चों की कराई गई एक्सपोजर विजिट के माध्यम से बच्चों को नवीन चीजों से रूबरू कराया गया। उन्होंने बताया कि एक्सपोजर विजिट में क्विज प्रतियोगिता में विजयी रहे प्रथम 100 बच्चों को आंचलिक विज्ञान नगरी भेजा गया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत एक्सपोजर विजिट के लिए बच्चों को साइंस सिटी का भ्रमण कराया गया। उन्होंने बताया कि यहां पर बच्चों ने करीब 9 गैलरी देखकर विज्ञान की हकीकत से रूबरू हुए। एमआरपी सलाउद्दीन अंसारी ने बताया कि साइंस सिटी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां पर विज्ञान की संपूर्ण जानकारी मौजूद है। यहां पर फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी इन तीनों ही विषयों की जानकारी बच्चों ने खेल-खेल में बड़ी ही आसानी से सीखीं। थ्रीडी शो और करके सीखने का अनुभव बच्चों के लिए कुछ अलग ही रहा। मौके पर एआरपी डॉ. एसएस श्रीवास्तव, अब्दुल मन्नान, जेपी रावत, माया, सरिता, शशि किरन, हीरालाल, परितोष पाल, अशोक यादव, सत्येंद्र सिंह, मनोज कुमार आदि लोग भ्रमण के दौरान मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने तहसील सलोन का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली । जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने तहसील सलोन का निरीक्षण किया। उन्होंने तहसील के सभी पटलों के अभिलेखों का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कमी मिलने पर एसडीएम और तहसीलदार को कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। कहा कि जनता से जुड़ी हुई समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराया जाए। फाइलों को एक पटल पर ज्यादा दिनों तक ना रोका जाए। जिससे लोगों को बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़े। राजस्व के मामलो में दोनों पक्षों की बातें सुनी जाए और मौका मुआयना करने के उपरांत ही निर्णय लिया जाए। एसडीएम सलोन को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि अभिलेखों को रिकार्ड कक्ष में सुव्यवस्थित रखा जाए। जिससे की आवश्यकता पड़ने पर उनका पुनः सत्यापन हो सके। जनता की समस्याओं को प्राथमिकता पर सुना जाए और उनका गुणवत्तापरक निस्तारण कराने का पूरा प्रयास किया जाए। तहसील न्यायालय से संबंधित वादों को शीघ्र निस्तारित कराया जाए।इस अवसर पर एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने राजकीय पॉलिटेक्निक गोपालपुर का किया औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली । जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने राजकीय पॉलिटेक्निक गोपालपुर सलोन का औचक निरीक्षण किया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने चल रही कक्षाओं का अवलोकन किया। तदोपरांत पठन-पाठन ,पुस्तकालय, छात्रावास, खानपान, प्रयोगशाला व सुरक्षा आदि संबंधी मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अध्ययनरत विद्यार्थियों से शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने संस्थान परिसर का भ्रमण कर गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने प्राचार्य कार्यालय में समस्त स्टाफ से छात्राओं को संस्थान द्वारा दी जाने वाली सुविधाओ की जानकरी लेते हुए स्टाफ की उपस्थिति रजिस्टर का भी अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि खेल-कूद मैदान सहित पूरे परिसर में साफ सफाई नियमित रूप से कराई जाए।

थाना रायपुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता, युवती के साथ दुष्कर्म कारित करने वाले पांच नफर अभियुक्तगण को 24 घण्टे के अन्दर किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। प्रकरण- अवगत कराना है कि आवेदिका जीरा देवी पत्नी स्व0 महेंद्र यादव ग्राम रईया (बढ़ीबार) थाना रायपुर जनपद सोनभद्र द्वारा दिनांक 30.11.2024 को थाना रायपुर पर लिखित प्रार्थना पत्र दी गई कि उसकी पुत्री उम्र लगभग 19 वर्ष दिनांक 28/29.11.2024 को रात्रि करीब 1.00 बजे घर से लापता हैं। उक्त सूचना पर थाना रायपुर पर दिनांक 30.11.2024 को गुमशुदगी दर्ज की गई तथा युवती की बरामदगी की गयी। बरामदगी के बाद युवती द्वारा बताया गया कि रात्रि में उसको घर से ले जाकर 1. निरज यादव पुत्र राधेश्याम ग्राम डोरिया डोंगी थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 19 वर्ष 2. विमलेश पासवान पुत्र छोटेलाल पासवान ग्राम सरायगढ़ नई थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 20 वर्ष 3. उमेश यादव पुत्र रामजग ग्राम डोरिया डोंगी थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 20 वर्ष 4. बुल्लू उर्फ श्याम सुन्दर यादव पुत्र रामगहन यादव ग्राम डोरिया डोंगी थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 20 वर्ष 5. बिंदु गुप्ता पुत्र लक्ष्मी गुप्ता ग्राम जसौलिया थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 20 वर्ष ने उसके साथ दुष्कर्म किया। उक्त प्रकरण के संबंध में दिनांक 03.12.2024 को थाना रायपुर पर मु0अ0सं0-133/2024 धारा 351(2), 333, 70(1) बीएनएस बनाम पांच नफर अभियुक्तगण उपरोक्त के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में महिला उत्पीड़न सम्बन्धी अपराध/अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) व क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में आज दिनांक-04.12.2024 को थाना रायपुर पुलिस द्वारा अभियोग उपरोक्त के सम्बन्धित पांच नफर अभियुक्तगण उपरोक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। **गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण का विवरण**-1- निरज यादव पुत्र राधेश्याम ग्राम डोरिया डोंगी थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 19 वर्ष ।2- विमलेश पासवान पुत्र छोटेलाल पासवान ग्राम सरायगढ़ नई थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 20 वर्ष । 3- उमेश यादव पुत्र रामजग ग्राम डोरिया डोंगी थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 20 वर्ष ।4- बुल्लू उर्फ श्याम सुन्दर यादव पुत्र रामगहन यादव ग्राम डोरिया डोंगी थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 20 वर्ष।5- बिंदु गुप्ता पुत्र लक्ष्मी गुप्ता ग्राम जसौलिया थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 20 वर्ष। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम**- 1- थानाध्यक्ष रामदरश राम थाना रायपुर जनपद सोनभद्र । 2- व0उ0नि0 सुबेदार यादव थाना रायपुर जनपद सोनभद्र। 3- हे0का0 विपिन यादव थाना रायपुर जनपद सोनभद्र।

बिजली उपभोक्ताओं से अवैध रूप से वसूले टैक्स का 31725 करोड़ रूपया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज - भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा के प्रदेश व्यापी मांग दिवस पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन के माध्यम से महामहिम राज्य पाल उत्तर प्रदेश को ज्ञापन दिया वही कामरेड नंदलाल आर्य जिला मंत्री सीपीआईएम ने बताया कि आप जनहित में तत्काल प्रभावी हस्तक्षेप करेंगी। जैसा कि सब जानते हैं कि बिजली विकास का आधार है और यह राज्य की जिम्मेदारी है कि हर नागरिक को आवक रूप से सस्ती बिजली उपलब्ध हो , बिजली को कुछ कॉरपोरेट्स कंपनियों के लिए मुनाफा कमाने का साधन नहीं बनाया जा सकता , दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में घाटे के नाम पर उक्त निगम का निजीकरण का फैसला लिया गया है । घाटा एक लाख 10 हजार करोड रुपए का बताया जा रहा है जबकि बिलों का बकाया एक लाख 5828 करोड़ रूपया का है जिसका प्रचंड हिस्सा सरकारी विभागों , पुलिस विभाग, इंडस्ट्रीज आदि पर है , जिससे घाटा पूरा होकर निगम फायदे में हो सकते हैं , निजीकरण का यह फैसला आम उपभोक्ता के खिलाफ है । भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा आपसे तुरंत हस्तक्षेप कर निजीकरण के फैसले को वापस लेने की मांग करती है कि - उत्तर प्रदेश के दक्षिणांचल व पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का फैसला फौरन वापस लिया जाए , बिजली विधेयक संशोधन 2022 वापस लिया जाए , स्मार्ट - प्रीपेड मीटर लगाने , बिजली के रेट ईंधन से जोड़ने आयातित कोयला खरीदने की बाध्यता का फैसला वापस लिया जाए , दिन और रात के समय पिक आवर्स के बिजली रेट अलग-अलग तय करने का आदेश वापस लिया जाए किसानों को नलकूपों के लिए कम से कम 18 घंटे बिजली की आपूर्ति की जाए , जर्जर तार खंबे ट्रांसफार्मर बदले जाएं , ताकि हो रही जानलेवा दुर्घटनाओं को रोका जा सके , उत्तर प्रदेश सरकार 300 यूनिट तक बिजली बिल अप्रैल 2023 से नलकूपों के बिल माफ करने के चुनावी वादे को बिना शर्त पूरा किया जाए , बिलों की जबरन वसूली को रोका जाए , बिजली उपभोक्ताओं से अवैध रूप से वसूले टैक्स का 31725 करोड़ रूपया बिजली विभाग पर जमा है उसे बिजली के बिलों में समायोजित किया जाए , बिजली कनेक्शन काटने व जोड़ने पर लिए जाने वाला पैसा समाप्त किया जाए , अधिक रीडिंग दे रहे मीटरों व अधिक आ रहे बिलों को ठीक किया जाए , बिजली विभाग में रिक्त पड़े स्थान को भर जाए , संविदा कर्मियों को नियमित किया जाए , उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बिजली विभाग में 6 माह तक हड़ताल पर पाबंदी के गैर जनता तांत्रिक आदेशों को तत्काल प्रभाव से वापस कराया जाए। इस अवसर पर मौजूद , माकपा कामरेड प्रेमनाथ जिला मंत्री परिषद सदस्य माकपा, कामरेड पुरुषोत्तम जिला मंत्री परिषद सदस्य माकपा , कामरेड हनुमान प्रसाद ब्रांच मंत्री चुर्क माकपा , कामरेड लल्लन राम जिला कमेटी सदस्य माकपा , कामरेड रविंद्र कुमार , माथुर प्रसाद वरिष्ठ समाज सेवक , बिंदु पटेल , शुभम शर्मा , अमरनाथ आदि प्रमुख साथी मौजूद रहे।

जनपद स्तरीय ग्रामीण खेल लीग प्रतियोगिता आरंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। ठउत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीगठ के अन्तर्गत आयोजित जनपद स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता प्रथम दिवस की सम्पन्न युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग, जनपद सोनभद्र के तत्वावधान में वित्तीय वर्ष 2024-25 में ठउत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीगठ के अन्तर्गत दिनांक 03, 04 व 05 दिसम्बर, 2024 को विशिष्ट स्पोट्र्स स्टेडियम, तियरा, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र में आयोजित तीन दिवसीय जनपद स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता प्रथम दिवस मंगलवार को सकुशल सम्पन्न हुई। प्रथम दिवस की खेल प्रतियोगिता सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग में बालक/बालिकाओं की एथलेटिक्स, कबड्?डी, कुश्ती एवं बैडमिण्टन विधा मेंआयोजित की गयी, जिसमेंजनपद के समस्त 10 विकास खण्डों से ब्लाकस्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतियोगिता शुभारम्भ के मुख्य अतिथि डॉ0 अनिल कुमार मौर्य, विधायक घोरावल का जिला युवा कल्याण अधिकारी शशि भूषण शर्मा द्वारा बैज अलंकरण कर स्वागत किया गया तथा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अजीत रावत प्रमुख राबर्टसगंज द्वारा संयुक्त रूप से युवा कल्याण विभाग के ध्वज को फहराकर निरन्तर विकास की ओर अग्रसर का प्रतीक गुब्बारे को आसमान में छोड़ा गया। मुख्य अतिथि द्वारा प्रतिभागी खिलाड़ियों को प्रेम व भाईचारे के साथ खेलने हेतु प्रेरित किया गया तथा इस प्रतियोगिता में विजयी होकर उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं में जनपद का नाम गौरवान्वित करने हेतु शुभाशीर्वाद प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा 400 मीटर दौड़ के पुरूष एवं महिला धावकों से परिचय प्राप्त किया गया तथा इन धावकों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। प्रथम दिवस की प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को मेडल, शील्ड एवं प्रमाण-पत्र का वितरण कैप्टन आशुतोष कुमार चौधरी जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा किया गया। इन्होने इस प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनायें देते हुये कहा कि आप जोन तथा राज्य स्तर की प्रतियोगितामेंविजेताबनकर इस जनपद का नाम रोशन करें तथा जो खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में विजेता नहीं बन सके वे निरन्तर प्रयास कर भविष्य की प्रतियोगिताओं की तैयारी करे और विजयी बनें मेरी यही शुभकामनायें हैं। द्वितीय दिवस की प्रतियोगिता दिनांक 04 दिसम्बर, 2024 को सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग में बालक/बालिकाओं की वालीबाल एवं फुटबाल विधा में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में अमर सिंह, शुभम जायसवाल, संजय सिंह, संजय पाल ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस मौके पर शमीम अहमद जिला क्रीड़ाधिकारी, अमरेश चन्द पाठक, सुरेन्द्र मौर्य युवा कल्याण विभाग के व्यायाम प्रशिक्षक प्रदीप कुमार सिंह, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अनुज त्रिपाठी, रवि शंकर कुशवाहा, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, विकास दूबे, कनिष्ठ सहायक महफूज अली खान, जितेन्द्र कुमार, विजय कुमार विश्वकर्मा, भूपेन्द्र सिंह, विरेन्द्र सिंह, विरेन्द्र राव, अवधेश सिंह सहित आदि लोग उपस्थित रहे। (शशि भूषण 2015 जिला युवा कल्याण एवं प्रा0वि080 अधिकारी सोनभद्र।

31 में जनपदी स्काउट गाइड दो दिवसी कार्यक्रम का समापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। आदर्श इंटर कॉलेज राबर्ट्सगंज सोनभद्र में 31 वीं जनपदीय स्काउट/ गाइड एवं द्वितीय सर्वोत्तम कैडेट रैली 2024-25 के समापन के मुख्य अतिथि डॉ प्रमोद कुमार मिश्र शिक्षक नेता पूर्व एमएलसी एवं प्रादेशिक उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ,विशिष्ट अतिथि मुकुल आनंद पांडे बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं डायट प्राचार्य सोनभद्र और राजेश कुमार प्रजापति सहायक प्रदेशिक संगठन आयुक्त विंध्याचल मंडल मिर्जापुर द्वारा जनपद विजेताओं टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया साथ ही निर्णायक विभिन्न विद्यालय से आए हुए प्रधानाचार्य शिक्षक स्काउट और एवं गार्डर को भी सम्मानित किया गया। इस 31 वीं जनपद स्काउट गाइड एवं सर्वोत्तम कैडेट रैली 2024 में आदर्श इंटर कॉलेज राबर्ट्सगंज सोनभद्र, उच्च प्राथमिक विद्यालय घुवाष, कंपोजिट विद्यालय खरूहाव,पार्वती बालिका इंटर कॉलेज जयमोहरा,आदिवासी इंटर कॉलेज सिलथम ,ईश्वर प्रसाद इंटर कॉलेज घोरावल,सोनांचल इंटर कॉलेज घोरावल,किसान इंटर कॉलेज खलियारी,श्री रामकेस इंटर कॉलेज पुरना, गुरुद्वारा इंटर कॉलेज चोपन, श्री चंद्रगुप्त मौर्य इंटर कॉलेज मधुपुर ,राजकीय हाई स्कूल दीघुल,कंपोजिट विद्यालय दीघुल ,ज्ञानदीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुद्धी की कुल 25 टीमों ने प्रतिभाग किये थे। जिसमें बारह टीमें जैसे आदर्श इंटर कॉलेज की रॉबर्ट्सगंज,आदिवासी इंटर कॉलेज सिलथम की टीम, श्री रामकेस इंटर कॉलेज पूरना की टीम, सोनांचल इंटर कॉलेज घोरावल की टीम ,पार्वती इंटर कॉलेज जयमोहरा की टीम , श्री चंद्रगुप्त मौर्य इंटर कॉलेज की टीम ,ईश्वर प्रसाद इंटर कॉलेज की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त की। अतिथियों का स्वागत डॉ प्रबोध कुमार सिंह जिला मुख्यायुक्त भारत स्काउट गाइड उत्तर प्रदेश सोनभद्र व रैली संयोजक संतोष कुमार मौर्य द्वारा किया गया। रैली का संचालन सुनील कुमार सिंह जिला संगठन आयुक्त जनपद सोनभद्र द्वारा बहुत ही सफलतापूर्वक किया गया जिसमें निर्णायक के रूप में सैयद अनवर हुसैन जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट सोनभद्र , नंदकिशोर जिला रिसोर्स पर्सन एडल्ट , सुनील कुमार सिंह जिला संगठन आयुक्त स्काउट , नीरा सिंह जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड ,शिवकुमार , शुभम कुमार सोनी अध्यक्ष युवा समिति , सुनील कुमार शर्मा,मदन सिंह, सत्यनारायण कन्नौजिया जिला आयुक्त स्काउट , दयाशंकर स्काउटर , प्रमोद कुमार, अनीता ,शैलेंद्र कुमार मिश्रा, दीपक मोदनवाल स्काउटर, दिलदार सिंह स्काउटर उपस्थित रहे। सभी टीमों के द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुतीकरण किया गया है। मुख्य अतिथि डॉक्टर मिश्र द्वारा बच्चों को आशीर्वचन के रूप में आशीर्वाद दिया गया कि इस प्रकार के कार्य समाज में करना चाहिए आपस में एकता सहजता और सेवाभाव का भाव उत्पन्न होता है। समापन के अंत में रैली आयोजक संतोष कुमार मौर्य प्रधानाचार्य आदर्श इंटर कॉलेज रावटसगंज सोनभद्र द्वारा सबका आभार व्यक्त किया गया और सोनभद्र जनपद के टीमों द्वारा मंडल में परचम लहराने के लिए आशीर्वचन दिया गया।

कुत्ता बचाने के चक्कर में दिव्यांग शिक्षक व दुर्घटनाग्रस्त मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस सेवा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। दिव्याग संतोष कुमार 35 वर्ष जो कि अपने आवश्यक कार्य से दिव्याग स्कूटी लेकर रार्बट गंज आ रहें थे कि रोड पर अचानक कुत्ते के आने से उसे बचाते बचाते अपना नियंत्रण खो बैठे जिसे वह अपनी स्कूटी लेकर नई वजार में पलट गई तदोपरान्त ' राहगीरो द्वारा सूचना पर मौके पर ई एम टी अभिषेक व पायलट अरुण अपनी चतरा लोकेसन की 108 एम्बुलेन्स सेनौ मिनट पर पहुंच कर घायल को प्राथमिक उपचार के साथ जिला अस्पताल भर्ती कराया तथा प्राप्त सूचना पर घायल सेतोष के आगे के इलाज के लिए ट्रामा सेन्टर वाराणसी निःशुल्क 108 से रेफर कर दिया गया ।

एफ,आई' 123 आब्जर्वर के साथ नेशनल अचीवमेंट सर्वे परीक्षा 24 सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बुधवार को उप शिक्षा निदेशक / जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पांडेय के निर्देशन में जनपद के 104 परीक्षा केंद्रों पर 123 एफध् आईद' व 123 आब्जर्वर के सहयोग से नेशनल अचीवमेंट सर्वे परीक्षा 2024 पूर्ण कराई गई । इस कार्य हेतु जनपद के दसों विकास खण्डों में खंड शिक्षा अधिकारियों के निर्देशन में डाइट प्रशिक्षुओं के माध्यम से कक्षा 3 कक्षा 6 वी कक्षा 9 से कुल 3406 विद्यार्थियों की परीक्षा कराई गई।इस परीक्षा को पूर्ण कराने हेतु अू में स्थापित ण्दहूदत् ैददस् के सदस्यों द्वारा तकनीकी समस्याओं का समाधान किया गया जिसमें राजकुमार (प्रवक्ता), संजय मिश्र विनोद कुमार विपिन शुक्ला सूर्य प्रकाश सहित आनंद त्रिपाठी द्वारा टेलिफोनिक वार्ता से समस्त परीक्षा केन्द्रों की कार्यप्रणालियों व तकनीकी समस्याओं का हल किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय एवं जिला समन्वयक प्रशिक्षण जय किशोर वर्मा द्वारा विकासखंड म्योरपुर की परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

एसपी ने थाना रॉबर्ट्सगंज थाने का आकस्मिक निरीक्षण, सम्बन्धित को दिये गये आवश्यक दिशा निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। निरीक्षण के दौरान थाना रॉबर्ट्सगंज के विभिन्न रजिस्टरों का अवलोकन करते हुए समस्त अभिलेखों के रखरखाव, अध्यावधिक करने हेतु दिए गए सख्त निर्देश पश्चात द्वारा थाना विधिक कार्रवाई करने, शस्त्रों का रख-रखाव व नियमित साफ-सफाई करने, मिशन शक्ति कक्ष/महिला हेल्प डेस्क पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मी को आने वाली फरियादियों की समस्या को सहानुभूति पूर्वक सुनकर उनका रॉबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत किया गया पैदल गश्त तथा संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों का किया गया चेकिंग-पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण कर थाना कार्यालय, सीसीटीवी, हवालात, कंप्यूटर कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, पुलिस बैरक, भोजनालय आदि का निरीक्षण कर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा कार्यालय के अभिलेखों जैसे-अपराध रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, भूमि विवाद रजिस्टर, बीट सूचना रजिस्टर तथा अन्य अभिलेखों का निरीक्षण कर उन्हें बेहतर व अद्यावधिक करते हुए उनके व्यवस्थित रख-रखाव, थाने पर दाखिल विभिन्न अभियोगों से संबंधित माल/वाहनों के संबंध में न्यायालय के निर्णयोपरांत विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने, आईजीआरएस सन्दर्भों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने, थाने पर आने वाले प्रत्येक पीड़ित/शिकायतकर्ता की शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुनने व उनके प्रार्थना-पत्रों को रजिस्टर में क्रमबद्ध तरीके से अंकित कर उसकी शत-प्रतिशत सुनवाई करते हुए आवश्यक निस्तारण कराने के साथ ही एंटी रोमियों टीम को अपने बीट क्षेत्र में जाकर महिलाओं/बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गये इसी क्रम में द्वारा द्वारा शान्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत द्वारा कस्बा रॉबर्ट्सगंज में पैदल गश्त/फूट पैट्रोलिंग किया गया । इस दौरान वहां उपस्थित आमजनमानस से वार्ता कर उनसे शान्ति व्यवस्था, सहयोग व सौहार्द्र बनाये रखने हेतु प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गयी । इसके साथ ही लोगों को किसी भी अफवाह पर ध्यान न देते हुए अफवाह फैलाने वाले लोगों की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया । इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आमजन की समस्याओं के समाधान तथा सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस बल पूरी तरह तैयार है तथा किसी तरह की समस्या अथवा अफवाह की सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करें । इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग की गयी तथा लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए उनसे शान्ति, सहयोग व सौहार्द्र बनाये रखने हेतु अपील की गयी व सड़क पर अवैध अस्थाई अतिक्रमण पर प्रभावी कार्रवाई हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया ।

हिंदू रक्षा समिति ने निकाला जुलूस किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।हिन्दू रक्षा समिति सोनभद्र के जिलाध्यक्ष नर सिंह त्रिपाठी जी के नेतृत्व में सोनभद्र जिले के दर्जनों सामाजिक संगठनों के द्वारा बांग्लादेश मे हिन्दुओं के प्रति हिंसा और अत्याचार एवं गणमान्य नागरिकों साधु संन्तो की गिरफ्तारी के विरुद्ध आक्रोश प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी सोनभद्र के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन दिया गया। उक्त अवसर पर नर सिंह त्रिपाठी ने कहा कि बांग्लादेश मे सरकार के तख्ता पलट के बाद लगातार विगत 4 माह से हिन्दुओं की हत्या हो रही है माताओं बहनों का मांग भंग किया जा रहा है, हिन्दुओं की सम्पत्ति लूटपाट की जा रही है। हिन्दू समाज का नेतृत्व कर रहे गणमान्य नागरिक साधुसन्तो का उत्पीड़न गिरफ्तारी की जा रही है, बांग्लादेश के अल्पसंख्यको पर हो रहे अत्याचार से पूरे विश्व का हिन्दू समाज आक्रोशित है भारत के कुछ देशद्रोही राजनेता भारत में भी बांग्लादेश घटना की पुनरावृत्ति करने की धमकी दे रहे है। जो चिन्ता का विषय बना हुआ है। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रुप मे उपस्थित सुविख्यात कथावाचक दिलिप कृष्ण भारद्वाज ने कहा कि हिन्दु समाज पूरे विश्व मे विद्या और शांति का संदेश देने वाला रहा है। दुनिया के किसी भी देश मे हिन्दुओ ने कभी अराजकता नही फैलायी शांति पूर्ण जीवन जीने के बाद भी बांग्लादेश के अन्दर हिन्दुओं की सामुहिक हत्या की जा रही है। वहां के शासन एवं प्रशासन के द्वारा किसी प्रकार की सुरक्षा प्रदान नही कि जा रही है ऐसे मे हिन्दू समाज अनाथ हो गया है, वहां की कानून व्यवस्था निष्प्रभावी और शुन्य हो गयी है। ऐसी परिस्थिति में भारत का हिन्दू समाज शान्त नही बैठ सकता भारत सरकार से निवेदन है कि मुस्लिम समाज दंड की ही भाषा समझता है। बांग्लादेश के उपर दण्डात्मक कार्यवाही करने के लिए कुटनितिक राजनितिक और संयुक्त राष्ट्र अन्तराष्ट्रीय मानवाधिकारी आयोग आदि संस्थानोंपर दबाव बढ़ाकर समस्या के समाधान हेतु कार्यवाही करना अपेक्षित है। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष विद्याशंकर पाण्डेय, प्रान्त उपाध्यक्ष जनार्दन , जिला मंत्री हरिशंकर वर्मा, प्रखण्ड अध्यक्ष अजय सिंह, नगर अध्यक्ष राजेश सिंह, सोनभद्र नगर अध्यक्ष नागेन्द्र राय, बजरंग दल के संतोष पाण्डेय सहित दर्जनो बजरंगी, राष्ट्रीय स्वयं संघ के हर्ष , किर्तन , महेश , रामलगन व भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष नन्दलाल , पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश मिश्रा, धर्मवीर तिवारी, अजीत चौबे, जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता, रुबी प्रसाद, कुसुम शर्मा, पुष्पा सिंह, प्रमिला त्रिपाठी, संतोष शुक्ल, शंम्भू नारायण सिंह, ओमप्रकाश यादव, नगर अध्यक्ष बलराम सोनी, अनूप तिवारी, बृजेश श्रीवास्तव, सुनिल सिंह, धनंजय पाठक, आलोक चतुर्वेदी, गणेश तिवारी, बृजेश मोदनवाल, दिपेश दिक्षित, आनन्द मिश्रा, प्रमोद गुप्ता, प्रसन्न पटेल सहित सैकड़ों की संख्या में हिन्दू समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

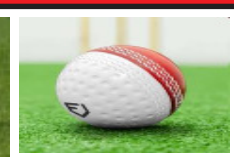
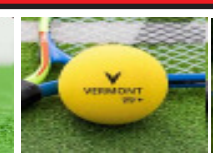
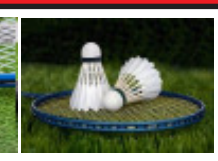

26/11 के बाद पीसीबी के बाद शाहिद अफरीदी की भी गीदड़भभकी, मेजबानी को लेकर दिया यह बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । अफरीदी ने अगले साल पाकिस्तान में खेली जाने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार नहीं करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की बैठक इस बैठक में टूर्नामेंट का कार्यक्रम तय किया जाएगा। अफरीदी ने अगले साल पाकिस्तान में खेली जाने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार नहीं करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट पाकिस्तान के तीन स्थलों पर आयोजित किए जाएंगे, लेकिन 2008 से पाकिस्तान का दौरा नहीं करने वाले भारत ने आईसीसी को बताया कि उनकी सरकार ने उन्हें इस महीने के शुरू में इस कार्यक्रम के

का समर्थन किया है। चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। टूर्नामेंट की मेजबानी को लेकर शुरू हुए विवाद पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की ओर से कई गीदड़भभकी आ चुकी हैं। अब इस मामले पर पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर और दिग्गज क्रिकेटर शाहिद अफरीदी का भी बयान आया है। उन्होंने भी गीदड़भभकी दी है। दरअसल, बीसीसीआई ने पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम को वहां भेजने से इनकार कर दिया था। बीसीसीआई ने आईसीसी को बता दिया है कि भारत सरकार की नाराजगी के कारण भारतीय टीम टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। इसके बाद से पाकिस्तान क्रिकेट में कोहराम मचा हुआ है। पीसीबी द्वारा हाइब्रिड मॉडल से इनकार के बाद आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी किसी और देश को सौंपने पर भी विचार कर रहा है। इसको लेकर शुक्रवार को मीटिंग भी होनी है। आईसीसी बोर्ड बोर्ड (पीसीबी) का समर्थन किया है। अनुभवी ऑलराउंडर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर 'खेल के साथ राजनीति को जोड़ने' का आरोप लगाया और आईसीसी से निष्पक्षता बनाए रखने और अपने अधिकार का दावा करने का आह्वान किया। अफरीदी ने कहा कि मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद से पाकिस्तान पांच बार भारत की यात्रा कर चुका है। अफरीदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'खेल के साथ राजनीति को जोड़कर बीसीसीआई ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अनिश्चित स्थिति में पहुंचा दिया है। हाइब्रिड मॉडल के खिलाफ पीसीबी के रुख का पूरी तरह से समर्थन करते हैं। खासकर जब पाकिस्तान (सुरक्षा चिंताओं के बावजूद) ने 26/11 के बाद द्विपक्षीय सफेद गेंद सीरीज समेत पांच बार भारत का दौरा किया है। यह आईसीसी और उसके निदेशक मंडल के लिए निष्पक्षता बनाए रखने और अपने अधिकार का दावा करने का समय है।' चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले अगले साल फरवरी और मार्च में लिए पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी थी। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बुधवार को कहा था, 'यह संभव नहीं है कि हर बार पाकिस्तान हर टूर्नामेंट के लिए भारत जाकर खेलता रहे और भारतीय अधिकारी अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलने के लिए भेजने से इनकार कर दें।' उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ इतना आश्वासन दे सकता हूं कि बैठक में जो भी होगा, लेकिन हम अच्छी खबर और फैसले लेकर आएंगे जिन्हें हमारे लोग स्वीकार करेंगे।' नकवी ने उम्मीद जताई कि पांच दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन का पद संभालने वाले जय शाह विश्व क्रिकेट और सभी सदस्य बोर्डों के हित में फैसले लेंगे। उन्होंने कहा, 'जय शाह दिसंबर में कार्यभार संभालेंगे और मुझे यकीन है कि एक बार जब वह बीसीसीआई से आईसीसी में चले जाएंगे, तो वह आईसीसी के लाभ के बारे में सोचेंगे और यही उन्हें करना चाहिए। जब भी कोई ऐसी भूमिका निभाता है तो उसे केवल उस संगठन के हितों पर विचार करना चाहिए।

आईसीसी की बैठक से ये 3 फैसले आ सकते हैं सामने, इन टूर्नामेंट्स पर भी चर्चा संभव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । शुक्रवार की बैठक का एकमात्र एजेंडा पाकिस्तान और भारत के प्रतिनिधियों को एक साझा मॉडल पर सहमत करना है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस बैठक के तीन संभावित परिणाम कौन-कौन से हैं... आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी को लेकर चल रहे विवाद का अंत 29 नवंबर कोई और विकल्प नहीं बचेगा। उन्हें नहीं चाहते हुए भी इस पर सहमति जतानी होगी। परिणाम 2: पाकिस्तान टूर्नामेंट के नए शेड्यूल को अस्वीकार या फिर उसका बहिष्कार कर सकता है। इससे आईसीसी को इसे यूएई या दक्षिण अफ्रीका जैसे किसी अन्य देश में स्थानांतरित करने पर मजबूर करेगा।परिणाम 3:

यानी शुक्रवार को हो सकता है। इस दिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी), मेजबान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और बाकी सदस्य देशों के साथ बैठक करने वाला है। टूर्नामेंट पर खतरे के बादल तब मंडराने लगे, जब बीसीसीआई ने भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के आधार पर भारतीय टीम को प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया। दूसरी ओर पीसीबी ने भी टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में कराने से इनकार कर दिया था।इसके बाद कोई हल निकालने की जिम्मेदारी आईसीसी पर आई और अब वह बीच का रास्ता तय कर टूर्नामेंट को आकार देने के रास्ते पर हैं। शुक्रवार की बैठक का एकमात्र एजेंडा पाकिस्तान और भारत के प्रतिनिधियों को एक साझा मॉडल पर सहमत करना है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस बैठक के तीन संभावित परिणाम कौन-कौन से हैं...परिणाम 1: आईसीसी हाइब्रिड मॉडल पर भारत का साथ दे सकता है और पाकिस्तान के पास इसे स्वीकार करने के अलावा अगर कोई समाधान नहीं मिलता है तो टूर्नामेंट को रद्द कर दिया सकता है या अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया जा सकता है। इसके परिणास्वरूप सभी को एक बड़ा वित्तीय नुकसान हो सकता है।चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने से भारतीय टीम के इनकार का असर पाकिस्तान टीम की भविष्य की योजनाओं पर भी पड़ना तय है। अगर चैंपियंस ट्रॉफी को पाकिस्तान से बाहर (पूरी तरह या आंशिक रूप से) स्थानांतरित किया जाता है, तो पीसीबी भारत में भविष्य में आईसीसी आयोजनों का बहिष्कार कर सकता है। हालांकि, आईसीसी के लिए फिलहाल प्राथमिकता चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए रास्ता निकालना है। अगर यहां सबकुसही रहता है तो आगे रास्ता खुद ही निकाला जा सकेगा। आगे जो टूर्नामेंट्स भारत में होने हैं, उनमें ये शामिल हैं..2025: महिला वनडे विश्व कप2025: पुरुषों का एशिया कप2026: पुरुष टी20 विश्व कप (श्रीलंका के साथ2029: पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2031: वनडे विश्व कप (बांग्लादेश के साथ)।

ऑस्ट्रेलिया सरकार का यह मंत्री भी है कोहली का प्रशंसक, भारतीय बल्लेबाज के साथ साझा की तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम और ऑस्ट्रेलिया की पीएम इलेवन टीम इस वक्त ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के सहायक विदेश मंत्री टिम वॉट्स भी कोहली के फैन हैं और उन्होंने पार्लियामेंट हाउस में कोहली के साथ मुलाकात

से संसद में मुलाकात की थी। इस दौरान वॉट्स भी मौजूद थे और उन्होंने इंस्टाग्राम पर भारतीय बल्लेबाज के साथ अपनी तस्वीर भी साझा की।भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के प्रशंसक दुनिया भर में हैं। कोहली फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं और की। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम और ऑस्ट्रेलिया की पीएम इलेवन टीम से संसद में मुलाकात की थी। इस दौरान वॉट्स भी मौजूद थे और उन्होंने इंस्टाग्राम पर भारतीय बल्लेबाज के साथ अपनी तस्वीर भी साझा की। उन्होंने इसके साथ ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जर्सी पहने भी अपनी एक तस्वीर शेयर की। वॉट्स ने कोहली के साथ हुई बातचीत का भी खुलासा किया और बताया कि वह आईपीएल में आरसीबी का समर्थन करते हैं क्योंकि वही एक समय है जब वह कोहली का समर्थन कर सकते हैं। वॉट्स ने कोहली की ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी को स्वीकार किया और कहा कि कोहली वर्षों से कंगारू टीम के खिलाफ कितना अच्छा खेलते आए हैं। वॉट्स ने कैप्शन में लिखा, पार्लियामेंट हाउस में आज प्रधानमंत्री एकादश के खिलाड़ी और भारतीय टीम के साथ मिलना सुखद रहा। मैंने कोहली से कहा कि मैं आईपीएल में आरसीबी का समर्थन करता हूं क्योंकि एक वही समय है जब मैं उनके लिए चियर कर सकता हूं। मुझे उन्हें खेलते देखना पसंद है क्योंकि वह किसी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की तरह ही खेलते हैं, लेकिन तब अच्छा नहीं लगता जब वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीज के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने भारतीय टीम के साथ हुई मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं थी।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री के भारतीय टीम से मिलने पर खुश हुए पीएम मोदी, सीरीज को लेकर कही ये बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीज के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने भारतीय टीम के साथ हुई मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं थी। भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। भारत ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में जीत दर्ज कर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के कैनबरा में भारतीय टीम से मिलने पर खुशी जाहिर की है। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम और ऑस्ट्रेलिया की पीएम इलेवन टीम ने संसद में

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात की। भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। भारत ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में जीत दर्ज कर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीज के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने भारतीय टीम के साथ हुई मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं थी। उन्होंने ट्वीट किया, 'इस सप्ताह मनुका ओवल में एक शानदार भारतीय टीम के खिलाफ पीएम इलेवन के लिए बड़ी चुनौती है। लेकिन जैसा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा मैं जीत के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का समर्थन कर रहा हूं।

टेस्ट क्रिकेट के अपने न्यूनतम स्कोर पर ऑलआउट हुई श्रीलंकाई टीम, मार्को यानसेन ने झटके सात विकेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली ।यानसेन ने अपने करियर का शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 रन देकर सात विकेट झटके और श्रीलंकाई बल्लेबाजों को कुल 14 ओवर भी टिकने नहीं दिया। तेज गेंदबाज मार्को यानसेन की धारदार गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने डरबन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका की पहली पारी महज 42 रन पर ऑलआउट कर दी। श्रीलंका के टेस्ट इतिहास का यह न्यूनतम स्कोर है। यानसेन ने अपने करियर का शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 रन देकर सात विकेट झटके और श्रीलंकाई बल्लेबाजों को कुल 14 ओवर भी टिकने नहीं दिया। यानसेन ऑस्ट्रेलिया के ह्यूज ट्रम्बल (इंग्लैंड के खिलाफ 1904 में) के बाद टेस्ट पारी में सात ओवर के अंदर सात विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। यानसेन के अलावा गेराल्ड कोएट्जे ने 18 रन देकर दो विकेट और कगिसो रबाडा ने 10 रन देकर एक विकेट लिया। श्रीलंका की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि टीम 50 रन भी पूरे नहीं कर सकी। उसकी तरफ से कामिंदु मेंडिस 13 रन बनाकर सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। उनके अलावा लाहिरु कुमारा ने नाबाद 10 रन बनाए। मेंडिस और लाहिरु के अलावा अन्य कोई बल्लेबाज दहाई अंक के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका।

बैठक में बोर्ड सदस्यों के सामने ये दो प्रस्ताव रख सकता है आईसीसी, एक में फाइनल की संभावना पाकिस्तान में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली ।आईसीसी पैनल के सामने दो प्लान रख सकती है। इसके लिए सदस्य बोर्डों के बीच मतदान भी हो सकता है। बहुमत का फैसला अंतिम होगा और फिर पीसीबी को अपनी दिशा तय करनी होगी। आईसीसी और इसके सभी सदस्य देश शुक्रवार को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तारीखों और स्थल पर चर्चा के लिए वर्चुअल बैठक करेंगे। टूर्नामेंट 19 फरवरी से प्रस्तावित और इसमें अब 100 से भी कम दिन बचे हैं। ऐसे में अब तक सारे पहलुओं को अंतिम रूप दे दिया जाना चाहिए था, लेकिन बीसीसीआई के भारतीय क्रिकेट

टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने से इनकार करने ने मामले को जटिल बना दिया है। शुक्रवार को आईसीसी के 12 पूर्ण सदस्य देशों के प्रतिनिधियों, एसोसिएट देशों के तीन, एक स्वतंत्र निदेशक के अलावा आईसीसी चेयरमैन और सीईओ के बैठक में हिस्सा लेने की उम्मीद है इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीसी पैनल के सामने दो प्लान रख सकती है। पहला यह कि भारत के ग्रुप चरण के तीन मैचों का आयोजन किसी तटस्थ स्थान पर करना है। अगर टीम इंडिया नॉकआउट में पहुंचती है तो सेमीफाइनल और फाइनल किसी तटस्थ देश में आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए यूएई के साथ पाकिस्तान की भौगोलिक निकटता के कारण संभावित विकल्प है। इससे अन्य टीमों के लिए देश की यात्रा करना आसान हो जाएगा। दूसरी योजना यह है कि अगर भारतीय क्रिकेट टीम नॉकआउट के लिए क्वालिफाई नहीं करती है, तो सेमीफाइनल और फाइनल दोनों पाकिस्तान में होंगे। इसके लिए सदस्य बोर्डों के बीच मतदान भी हो सकता है। बहुमत का फैसला अंतिम होगा और फिर पीसीबी को अपनी दिशा तय करनी होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टूर्नामेंट 19 दिन तक चलेगा। 19 फरवरी से नौ मार्च तक यह टूर्नामेंट होना है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनै के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

लिरेन के खिलाफ चौथी बाजी में बढ़े मनोबल के साथ उतरेंगे गुकेश, दोनों खिलाड़ी समान अंक पर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । क्लासिक टाइम कंट्रोल के तहत खेली जा रही चैंपियनशिप में अभी 11 मुकाबले बचे हुए हैं। इससे पहले गुकेश को शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा था। तीन बाजियों के बाद दोनों दोनों खिलाड़ियों के अब एक समान डेढ़-डेढ़ अंक हैं।भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश विश्व शतरंज चैंपियनशिप में एक दिन के विश्राम के बाद शुक्रवार को चौथी बाजी के लिए जब चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे तो 14 बाजियों वाले इस मुकाबले की तीसरी बाजी में मिली जीत से उनका मनोबल बढ़ा हुआ होगा। 18 साल के गुकेश ने तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस चैंपियनशिप की अपनी पहली जीत दर्ज की थी।क्लासिक टाइम कंट्रोल के तहत खेली जा रही चैंपियनशिप में अभी 11 मुकाबले बचे हुए हैं। इससे पहले गुकेश को शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा था। तीन बाजियों के बाद दोनों दोनों खिलाड़ियों के अब एक समान डेढ़-डेढ़ अंक हैं। पहली बाजी में शिकस्त का सामना करने वाले गुकेश ने स्पष्ट रूप से अपने खेल

के स्तर को ऊंचा किया और बेहतर तैयारी दिखाई है। लिरेन को तीसरी बाजी में चालों की गणना करने में गलती का खामियाजा उठाना पड़ा। उन्होंने इस दौरान बहुत अधिक समय लिया जिससे उनके लिए चीजें जटिल होती चली गई। खेल के पहले 120 मिनट में से 40 चालों तक समय में कोई इजाफा नहीं किया जाता। बीच में मुकाबला जटिल होने से लिरेन पर असर पड़ा और गुकेश ने सटीक चालों से उन पर दबाव बढ़ा दिया। 13वीं चाल तक गुकेश के पास एक घंटे की बढ़त थी और उन्होंने सिर्फ चार मिनट खर्च किए थे। लिरेन ने दूसरी तरफ एक घंटा और छह मिनट लगा दिए थे। इससे पहले शुरुआती मुकाबले में गुकेश को बाजी के बीच में गैर जरूरी ढंग से जटिल बनाना भारी पड़ा जिससे चीन के मौजूदा चैंपियन को जीत से आगाज करने का मौका दिया। गुकेश ने दूसरी बाजी में अच्छी वापसी करते हुए लिरेन को बराबरी पर रोका। यह मुकाबला केवल 23 चालों तक चलसफेद मोहरों से खेलते हुए जीत दर्ज करने के बाद गुकेश ने कहा था, बहुत अच्छा लग रहा है। पिछले दो दिन मैं अपने खेल से खुश था। तीसरी बाजी में मैंने और अच्छा खेला।

सम्पादकीय

चुनाव बाद ओझल होने वाले मुद्दे, शिक्षा; सेहत, पर्यावरण पर देना होगा ध्यान

देश की समस्याओं के समाधान के प्रति अनेक जनप्रतिनिधियों में संवेदना और इच्छाशक्ति की कमी का दूसरा उदाहरण शिक्षा क्षेत्र की लगातार बढ़ रही उस अस्वीकार्य स्थिति का है जिसके प्रति नीति निर्माताओं और इन्हें लागू करने वालों के अंदर एक उदासीनता की भावना निर्मित हो चुकी है। ऐसा कोई दल नहीं है जो संविधान के प्रति संपूर्ण समर्पण की दुहाई दिन प्रतिदिन न देता हो। हाल में संपन्न महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों में पूरे देश ने रुचि ली। चुनाव लोकतंत्र का आधार स्तंभ हैं। उनकी प्रक्रिया, शुचिता और परिणाम पर विश्वास भी उतना ही आवश्यक है। चुनाव परिणामों पर चर्चा हर प्रजातांत्रिक देश के लोगों का ध्यान आकर्षित करे तो इसे लोकतंत्र व्यवस्था का अनिवार्य अंग मानते हुए सभी को संतुष्ट होना चाहिए। परिणाम के पश्चात जीतने वाले और न जीत पाने वाले के कार्यक्षेत्र और उत्तरदायित्व स्वतः ही निर्धारित हो जाते हैं।दोनों ही पक्षों को जनहित में अपने को समर्पित कर देना ही लोकतांत्रिक अपेक्षा है। इसमें पारस्परिक सहयोग की कोई मनाही नहीं है। विजेता को जन-अपेक्षाओं को पूरा कर सकने की क्षमता के उपयोग में लग जाना चाहिए और हारे हुए को जन-सेवा में अपने को समर्पित करने के अवसर का लाभ उठाना चाहिए।चुनाव-चर्चा अब देश और संचार माध्यमों का प्रिय शगल बन गया है। देश के संचार माध्यम दलगत राजनीति से जुड़े हुए नेताओं, उनके वक्तव्यों और उसके विश्लेषण पर बहुत समय और स्थान को दे रहे हैं। परिणामस्वरूप जिन समस्याओं और उनके त्वरित समाधान पर राष्ट्रव्यापी चर्चा होनी चाहिए, वह पीछे छूट जा रही है।महाराष्ट्र के चुनावों के समय वहां किसानों की आत्महत्याओं और सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के संबंध में कहीं कोई समाचार पढ़ने-सुनने को नहीं मिला। कोई प्रत्याशी या दल भी समयबद्ध सीमा में उनकी स्थिति सुधारने का संकल्प लेता नहीं दिखा। चुनावों के दौरान तो ऐसा लगा कि महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या जैसी कोई समस्या है ही नहीं।किसानों और उनकी समस्याओं को लेकर केवल किसान आंदोलन के दौरान संचार माध्यम स्थान और समय दे रहे थे। हालांकि उसमें भी उनकी समस्याओं का विश्लेषण कम और नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप ही अधिक प्राथमिकता पाते रहे। ऐसे आंदोलन जब समाप्त हो जाते हैं, तब लगता है कि अब उस समस्या का समाधान हो गया है। इस पर जिस गहन विचार विमर्श की आवश्यकता है, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।अनेक वर्षों से किसानों द्वारा की जा रही आत्महत्या को लेकर आंकड़े देश के सामने कभी-कभी आ जाते हैं, लेकिन वे राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी चर्चा का विषय नहीं बनते, जो किसी समाधान तक पहुंच सके। इसका समाधान दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करना उनका संवैधानिक ही नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय उत्तरदायित्व है। कितने नव-निर्वाचित विधायक यह प्रण ले सकते हैं कि अगले तीन वर्षों में वे जीजान लगाकर किसानों की आत्माहत्याओं को जनित करने वाली स्थितियों को समाप्त कर देंगे?सामान्य नागरिक की यह सहज जिज्ञासा है कि क्या इस देश के किसानों की आत्महत्या को रोक सकने लायक नीतियां और योजनाएं बनाने के लिए देश का राजनीतिक नेतृत्व एवं वरिष्ठ अधिकारी अक्षम हैं? क्या देश में ऐसे अध्ययनशील विद्वानों की कमी है, जो इससे जुड़ी समस्याओं को गहराई से समझते हों और उनके व्याहारिक समाधान निकाल सकने की क्षमता रखते हों? देश में लगभग हर प्रांत में कृषि विश्वविद्यालय हैं।इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च नाम की एक प्रतिष्ठित संस्था भी है, जिसकी अनेक शाखाएं हैं और जिसके योगदान की सराहना देश-विदेश में की जाती है। भारत के विज्ञानियों और इस संस्था ने अनाज की कमी से जूझ रहे देश को कुछ दशकों के प्रयास के पश्चात उसका निर्यातक बना दिया। क्या इस संस्था को यह उत्तरदायित्व नहीं दिया जा सकता था कि वह ऐसी नीतियां बनाए, जिससे किसानों की समस्या सुलझ सके और बड़ी संख्या में हो रही आत्महत्याएं बंद हो सकें?देश में ऐसा कौन व्यक्ति है, जो किसानों के योगदान की प्राथमिकता को न जानता हो। शायद ही कोई हो, जो किसान की कठिनाइयों से पूरी तरह अपरिचित हो। देश में किसानों की आत्महत्या पर कष्ट हर उस व्यक्ति को होना चाहिए, जिसकी संवेदनाएं सजग हैं, जो यह आज भी याद करता है कि महात्मा गांधी चाहते थे कि हर व्यक्ति जो भी प्रकल्प हाथ में ले या नया रोजगार प्रारंभ करे या किसी परियोजना में हिस्सेदारी करे, उसे सबसे पहले यह विचार करना चाहिए कि इससे पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े हुए व्यक्ति के जीवन में क्या कोई सकारात्मक प्रभाव पड़ सकेगा या नहीं।

रानी लक्ष्मीबाई की परछाई थी स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना और साहसी झलकारी बाई

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को भारतीय नारी के बल, बुद्धि, साहस से परिचित कराने वाली एक साधारण सी महिला झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर सन् 1830 को झांसी के पास ही भोजला गांव में एक निर्धन कोली परिवार में हुआ था। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

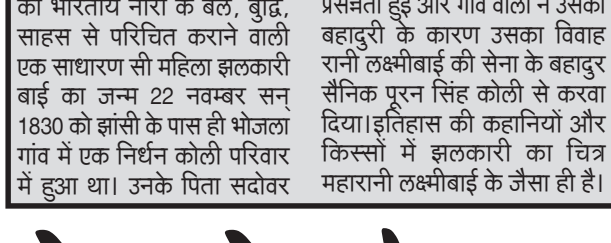

की गवाह अनगिनत बहादुर हस्तियां रहीं लेकिन इतिहास की विडम्बना है कि चंद नामों को ही इतिहास अपनी पुस्तक में दर्ज होने का मौका देता है। अनगिनत नाम आज भी गुमनामी की किताब में मुस्कुरा रहे हैं। कुछ अमिट छाप छोड़ने वाले नाम किस्सों, कहानियों, लोकगीतों में इस तरह समा गए कि उनका अमर होना लाजिमी है। कुछ नाम यूं ही इतिहास से वर्तमान तक पहुचने की फेहरिस्त की कतार में लगे हैं। कुछ नाम ही बहादुरी के पर्याय बन गए। झलकारी बाई एक ऐसा ही नाम है जिसे इतिहास उसी सम्मान से निहारता है जैसे किसी क्रान्तिकारी वीर रानी को। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की कलम की जुबानी-सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को भारतीय नारी के बल, बुद्धि, साहस से परिचित कराने वाली एक साधारण सी महिला झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर सन् 1830 को झांसी के पास ही भोजला गांव में एक निर्धन कोली परिवार में हुआ था। उनके पिता सदोवर सिंह और मां जमुना देवी थी। बचपन में ही माता का देहांत हो जाने पर पिता सदोवर सिंह ने उनका लालन-पालन एक लड़के की तरह किया। झलकारी बचपन से ही निड़र और बहादुर थी। घुड़सवारी, तलवारबाजी और हथियार चलाने का शौक उन्हें एक कुशल योद्धा में परिवर्तित करने का काम कर रहा था। तत्कालीन परिवेश में एक अति सामान्य परिवार में जन्मी कन्या को औपचारिक शिक्षा दिला पाना सरल न था। फिर भी एक कुशल योद्धा के रूप में झलकारी बाई का निर्माण हुआ। जंगल में लकड़ियां काटना, खेतों-खलिहानों में खुद को रोपना, पशुओं की देखभाल करना, झलकारीबाई के रोजमर्रा के काम थे। कहते हैं एक दिन जंगल में झलकारी का सामना एक तेंदुए से हो गया, झलकारी ने उसे सामान्य कुल्हाड़ी से मार डाला। गांव में खबर फैली और झलकारी बाई की बहादुरी के चर्चे होने लगे। फिर एक बार डकैतों के एक गिरोह के द्वारा गांव के एक व्यापारी पर हमला बोल दिया गया, झलकारी ने बहादुरी से उन डकैतों न केवल सामना किया बल्कि उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। उसकी बहादुरी देख गांव में उसकी खूब प्रसन्नता हुई और गांव वालों ने उसकी बहादुरी के कारण उसका विवाह रानी लक्ष्मीबाई की सेना के बहादुर सैनिक पूरन सिंह कोली से करवा दिया।इतिहास की कहानियों और किस्सों में झलकारी का चित्र महारानी लक्ष्मीबाई के जैसा ही है। उन्हें इतिहास रानी की हमशक्ल बतलाता है। यकीनन इतिहास की घटनाएं उनमें दर्ज शौर्य-गाथाएं झलकारी बाई को महारानी लक्ष्मीबाई की परछाई दर्शाती हैं। जिसने न केवल अंग्रेजों अपितु भारतीयों को भी अचंभित किया हुआ था। कहते हैं झलकारी बाई गौरी पूजा के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई को सम्मान देने झांसी के किले में गयीं थी वहां दोनों की मुलाकात हुई रानी यह देखकर कि वह उनके जैसे ही दिखती है आश्चर्य चकित रह गयी। झलकारी के विषय में उनकी बहादुरी के किस्सों से प्रभावित होकर रानी ने उन्हें दुर्गा सेना में भर्ती कर लिया। झलकारी की प्रतिभा को रानी ने बखूबी तराशा। उन्हें तोप चलाना, तलवारबाजी, बंदूक चलाना आदि में महारथ हासिल करवायी। जल्द ही झलकारी महिला फौज की बहादुर कमाण्डर बन गयी। डलहौजी की हड़प नीति के तहत जब झांसी पर संकट के बादल मडराये झलकारी अग्रिम मोर्चे की योद्धा बनी। अप्रैल 1857 के युद्ध में रानी और उसकी महिला सेना महल के भीतर से ही मोर्चा संभाले हुए थे।ब्रिटिश सेना के सभी प्रहारों को नाकाम करती महारानी की सेना सम्भवतः ब्रिटिश सेना को वापस खदेडने में कामयाब भी हो जाती यदि, तभी रानी के एक सहयोगी राव दूल्हाजू की गददारी के कारण महल के द्वार ब्रिटिश सेना के लिए न खोले जाते तो शायद इतिहास बदल भी सकता था। हालांकि किले के द्वार खुलने की खबर झलकारी के इरादों पर भारी न कर सकी, उनकी रणनीति का परिणाम था कि रानी अपने कुछ विश्वासपात्र सैनिकों के साथ किले से निकलने में कामयाब हो गयी। कहते हैं झलकारी के पति पूरन की किले की रक्षा करते हुए शहादत हुई। झलकारी की वीरता का आंकलन करना आज भी संभव नहीं। पति की मृत्यु का शोक झलकारी बाई की पांव की बेड़ियां नहीं प्रेरणा की ढाल बना।

विपक्ष का कमजोर होना क्या ठीक है लोकतंत्र के लिए

यह सच है कि किसी भी लोकतंत्र में बहुमत पाने वाली पार्टी सत्ता पर काबिज होती है। लेकिन, यदि विजय एकतरफा हो तो वह जम्हूरियत के नजरिए से घातक भी होती है। अधिनायकवादी बीजों के अंकुरित होने का खतरा बना रहता है। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए हुए निर्वाचन का परिणाम कुछ ऐसा ही सन्देश देता है। कोई सरकार कितना ही अच्छा काम करे (जो कि उसका कर्तव्य है) मतदाताओं को उसे नियंत्रित करना ही होगा। किसी भी प्रजा तांत्रिक मुल्क में पक्ष और प्रतिपक्ष के बीच स्वाभाविक संतुलन होना चाहिए। यदि सदन में पक्ष का आकार विराट और ट्रैक्टर के पहिए जैसा हो और प्रतिपक्ष का आकार दुर्बल और साइकल के पहिए की तरह हो तो लोकतंत्र की गाड़ी रफ्तार नहीं पकड़ सकती। यह ठीक वैसा ही होगा कि एक मरियल और निर्बल इंसान रिंग में उतरकर किसी पहलवान को चुनौती दे। ऐसे में सत्ताधारी पार्टी के खुद को तानाशाह समझने का खतरा विकराल हो जाता है। इसी बरस कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन ने जब लोकसभा चुनाव में 234 सीटें जीती और दस साल से सरकार चला रही भारतीय जनता पार्टी को अपने बूते पर स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। इससे पहले 2019 के निर्वाचन में सत्तारूढ़ पार्टी अपने दम पर बहुमत लेकर आई थी तो उसका व्यवहार विपक्ष के साथ उपेक्षा भरा था। प्रतिपक्ष इतना दीन-हीन और बौना था कि सरकार के पूरे कार्यकाल में दर्प और घमंड वाली शैली पनपी थी। संसद में प्रतिपक्ष को भरोसे में नहीं लिया गया। राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों पर चर्चा नहीं हुई और हिन्दुस्तान के सामने मुंह बाए खड़े मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया गया। चाहे वह मंहगाई हो या बेरोजगारी ,भ्रष्टाचार हो या लोकतांत्रिक संवैधानिक संस्थाओं पर आक्रमण,सभी में प्रतिपक्ष का स्वर बेहद मद्धम था। यहां तक कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपनी मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में ही बयान दे दिया कि पार्टी को उस संगठन की जरूरत नहीं है। यह सत्तारूढ़ दल का अहं भाव ही था।भारत के मतदाता ने इसे ताड़ लिया था। इसी वजह से 2024 के लोकसभा चुनाव के परिणाम लोकतंत्र को संतुलित करते हुए आए थे। अब केंद्र सरकार बैसाखियों के सहारे है और प्रतिपक्ष मजबूत स्थिति में है तो भारतीय प्रजातंत्र संतोष कर सकता है। लेकिन महाराष्ट्र के हालिया परिणाम एक बार फिर यही अंदेशा उत्पन्न करते हैं। प्रतिपक्ष का क़द विधानसभा में अत्यंत नाटा है और वह सत्ताधारी पार्टी को चुनौती देने की स्थिति में नहीं रहा है।विडंबना यह कि बीजेपी के सहयोगी दल भी उसकी विराट जीत से आशंकित दिखाई देते हैं।सवाल यह भी खड़ा होता है कि 132 विधायक चुनकर विधानसभा में भेजने वाली पार्टी अपना मुख्यमंत्री क्यों न बनाए? क्या वह शिंदे को एक बार फिर स्वीकार करे ? जबकि शिंदे के पास बीजेपी के दावे को चुनौती देने वाला आंकड़ा नहीं है, हालांकि बिहार की तर्ज पर बीजेपी ऐसा कर सकती है ,पर यह भी हक़ीक़त है कि शिंदे ,नीतीश कुमार नहीं हैं।वैसे भी नीतीश कुमार अपनी कीकड़ बदन वाली पार्टी के साथ मुख्यमंत्री बने हुए हैं और बड़े आकार वाली बीजेपी वहां अपना मुख्यमंत्री नहीं बना सकी तो यह मान्य लोकतान्त्रिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। यदि शिंदे को एक बार फिर मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो फिर वे बीजेपी से उपकृत भाव के साथ काम करेंगे और महाराष्ट्र के लिए यह बेहतर स्थिति नहीं होगी।प्रत्येक सभ्य लोकतंत्र पक्ष और प्रतिपक्ष के एक सम्मानजनक आकार को पसंद करता है।कामयाबी शिखर को छूने वाली हो तो फिर ढलान में उतरने के अलावा कुछ नहीं होता।

जेल से लौटकर असली 'किंग' बने हेमंत सोरेन

झारखंड में इंडी गठबंधन सत्ता को बरकरार रखने में कायम रहा है। रुझानों में एक बार फिर हेमंत सोरेन सरकार बनती दिख रही है। भाजपा की कोशिश थी कि आदिवासी बाहुल्य राज्य में सत्ता परिवर्तन हो, लेकिन सात महीने पहले संपन्न लोकसभा चुनाव से स्पष्ट हो गया था कि भाजपा के लिए झारखंड में राह आसान नहीं है। राज्य में इंडी गठबंधन की जीत का श्रेय हेमंत सोरेन को जाता है। वही असली किंग बनकर उभरे हैं। हालांकि, उनके चार मंत्री हार की कगार पर दिख रहे हैं। राज्य के चुनावी नतीजों को देखने के लिए लोकसभा चुनाव-2024 की ओर जाना होगा। राज्य की 14 लोकसभा सीटों में भाजपा को आठ सीटें मिली थीं, जो वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से तीन कम थीं, जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने तीन सीटें जीतीं और दो सीटों का उसे लाभ हुआ था। सहयोगी कांग्रेस ने भी दो सीटें जीती थीं और उसे एक का इजाफा हुआ था। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड में पूरी ताकत लगाई और बहुमत पाने का दावा किया, लेकिन भाजपा ने कुछ गलतियां भी झारखंड को लेकर कीं। विशेष कर हेमंत सोरेन को जेल भेजना पार्टी को भारी पड़ा। जेल जाने की सहानुभूति हेमंत सोरेन के पक्ष में गई है। लोकसभा चुनाव से आदिवासी वोट भाजपा से दूर होता दिख रहा था। राज्य की आदिवासियों के लिए रिजर्व पांचों सीटों पर भाजपा हार गई थी। चुनाव में भाजपा ने ध्रुवीकरण का कार्ड भी खूब खेला। आदिवासी बनाम मुस्लिम वोटों को लेकर बड़ा मुद्दा बनाया गया। हर सभा में बताया गया कि राज्य में आदिवासी कम हो रहे हैं और मुस्लिम आबादी बढ़ रही है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से लेकर भाजपा के हर स्टार प्रचारक ने झारखंड की डेमोग्राफी बदलने के मुद्दे को जोर-जोर से उठाया। खासकर बांग्लादेशी घुसपैठियों और धर्मांतरण पर फोकस किया गया। कैसे आदिवासी लड़कियों से शादी कर घुसपैठिए जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं? हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था भी एक बड़ा मुद्दा बनाया गया। जमानत पर जेल से बाहर आए हेमंत सोरेन ने आदिवासी अस्मिता के मुद्दे पर चुनाव लड़ा। उन्होंने और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने मिलकर राज्यभर में 200 से ज्यादा चुनावी सभाओं को संबोधित किया। कल्पना सोरेन ने अपनी सभाओं में महिलाओं पर फोकस रखा। हेमंत सोरेन सरकार की मंईयां सम्मान योजना ने तुरुप के पत्ते का काम किया। चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में हजार रुपए आना शुरू हो गए थे। सोरेन ने आगामी दिसंबर से महिलाओं के खातों में ढाई हजार रुपए डालने की घोषणा की है। महिलाओं में चुनाव को लेकर जबर्दस्त उत्साह भी शायद इसलिए दिखा। महिला वोटरों ने 81 में से 68 सीटों पर पुरुषों की तुलना में अधिक वोट डाले।हेमंत सोरेने ने अपने गठबंधन के साथी कांग्रेस को चुनाव में थोड़ा पीछे ही रखा। कांग्रेस की ओर से अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को छोड़कर कोई बड़ा नेता झारखंड में प्रचार के लिए नहीं आया। यहां तक की प्रियंका गांधी वाड्रा झारखंड में एक भी सभा करने नहीं आईं। झारखंड में जीत का श्रेय यदि किसी को जाता है तो वो हेमंत सोरेन को जाता है।

पेंशन अदालतों में 70 फीसदी मामलों का समाधान पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन के तहत 4,543 को लाभ

विपक्ष ने अदाणी, संभल हिंसा और मणिपुर जैसे मुद्दों को लेकर लगातार तीसरे दिन संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चलने दी। विपक्षी सदस्यों ने वेल में पहुंचकर अदाणी मुद्दे पर देश को लूटना बंद करो के नारे लगाए। वहीं, संभल हिंसा के दोषियों पर कार्यवाही की मांग की। विपक्ष ने राज्यसभा में कार्यस्थगन के लिए 16 नोटिस दिए गए, जिसे सभापति जगदीप धनखड़ ने खारिज कर दिया। हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों को सभापति ने यह नसीहत भी दी कि इस तरह विरोध जताना लोकतंत्र को कमजोर करने वाला है। सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्ष के कई सवालों पर सरकार के मंत्रियों ने जवाब दिए। इसी क्रम में केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा को बताया कि 2019 से अब तक आयोजित पेंशन अदालतों में 8,300 से अधिक मामलों (लगभग 69.49 फीसदी) का समाधान किया गया। एक लिखित उत्तर में मंत्री ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में आठ पेंशन अदालतें आयोजित की गईं। इनमें कुल 12,049 मामले उठाए गए। कुल मामलों में से 8,373 का समाधान किया गया है। ये अदालतें केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों का समय पर और प्रभावी निवारण के लिए आयोजित की जाती हैं। ब्यूरो नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने संसद को बताया कि इस साल 14 नवंबर तक एयरलाइनों और हवाईअड्डों को बम की 999 फर्जी धमकियां मिलीं। पुलिस ने इस संबंध में 256 शिकायतें दर्ज की हैं और 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो

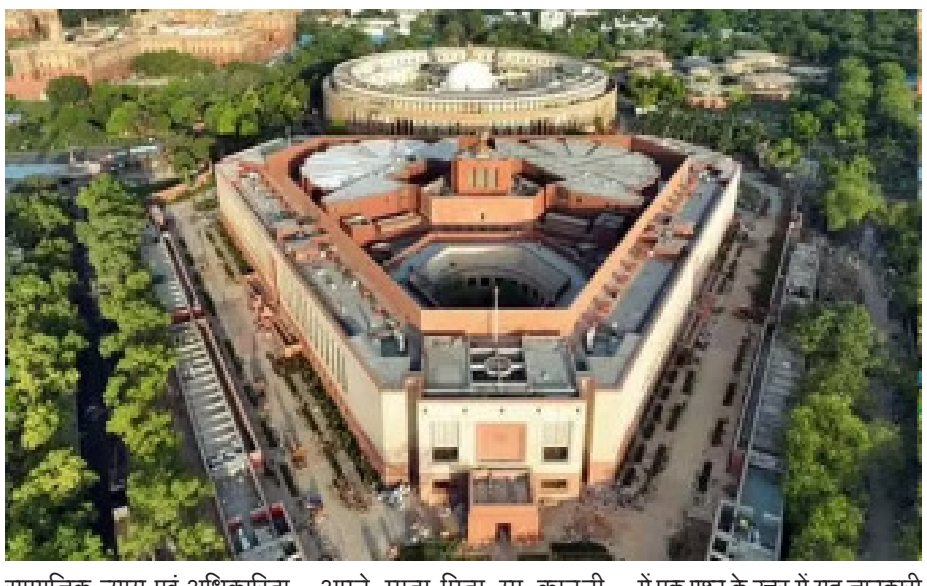

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने बताया कि 2022 में स्माइल योजना की शुरुआत से लेकर इस साल 11 नवंबर तक भिक्षावृत्ति में लिप्त 7,660 व्यक्तियों की पहचान की गई, जिनमें से 970 का पुनर्वास किया जा चुका है। राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत 4,543 लाभार्थी लाभ प्राप्त कर चुके हैं। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना 29 मई, 2021 को शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य उन बच्चों की सहायता करना है, जिन्होंने 11 मार्च, 2020 से 28 फरवरी, 2022 तक कोविड-19 महामारी के कारण अपने माता-पिता या कानूनी अभिभावक या दत्तक माता-पिता या जीवित माता-पिता दोनों को खो दिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक सवाल के जवाब में कहा, 21 नवंबर, 2024 तक देशभर में 136 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएं दे रही हैं। दिल्ली-काठगोदाम सेक्टर में तीन जोड़ी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें सेवाएं दे रही हैं। इसमें 12039/40 काठगोदाम-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस शामिल है।सरकार ने दिसंबर 2000 से राष्ट्रीय राजमार्गों पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत वर्तमान में संचालित टोल प्लाजा पर टोल टैक्स के रूप में 1.44 लाख करोड़ रुपये एकत्र किए हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान रोजगार मेलों के दौरान 24 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को अस्थायी रूप से चुना गया। उन्होंने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बताया, 2019-20 से 2023-24 के दौरान राज्य रोजगार कार्यालयों/मॉडल कॅरिअर केंद्रों ने 34,809 रोजगार मेले आयोजित किए। इसमें 26,83,161 युवाओं और 83,913 नियोक्ताओं ने हिस्सा लिया और 24,37,188 उम्मीदवारों को सूचीबद्ध किया गया। राज्यसभा में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने एक लिखित प्रश्न के उत्तर में बताया कि देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 5,100 से अधिक शिक्षण पद रिक्त हैं। मंत्री ने कहा, 31 अक्तूबर तक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 5,182 शिक्षक पद रिक्त थे। विशेष भर्ती अभियान के माध्यम से केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 7,650 से अधिक शिक्षक पद भरे गए हैं। उन्होंने कहा, रिक्तियों का होना और उन्हें भरना एक सतत प्रक्रिया है। ये रिक्तियां सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र और छात्रों की बढ़ी हुई संख्या के कारण अतिरिक्त आवश्यकताओं के कारण उत्पन्न होती हैं। पदों को भरने की जिम्मेदारी केंद्रीय विश्वविद्यालयों पर है। मजूमदार ने कहा कि मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नियमित रूप से संस्थानों की निगरानी करते हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालयों को नियमित रूप से रिक्तियों को भरने का निर्देश दिया गया है। केंद्र सरकार ने बताया कि कनाडाई अधिकारियों ने हाल ही में वैंकूवर स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों को बताया था कि उनकी ऑडियो-वीडियो निगरानी की जा रही है। यही नहीं, उनके निजी पत्राचार पर नजर रखने की भी बात कही गई थी। विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा में कहा कि भारत सरकार ने इस मुद्दे पर नई दिल्ली में कनाडाई उच्चायोग के समक्ष 2 नवंबर को कड़ा विरोध दर्ज कराया था, क्योंकि यह सभी राजनयिक प्रावधानों का घोर उल्लंघन था। उन्होंने भारतीय राजनयिकों और उनकी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए कनाडा सरकार के संपर्क में रहने की जानकारी भी दी। एक अन्य सवाल पर विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि कनाडा के साथ भारत के संबंध चुनौतीपूर्ण रहे हैं और आज भी हैं क्योंकि वहां की सरकार की ओर से ऐसे चरमपंथी एवं अलगाववादी तत्वों को राजनीतिक आश्रय प्रदान किया जाता है जो भारत विरोधी एजेंडे का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, एक दूसरे की संप्रभुता का सम्मान किसी भी स्थिर विपक्षीय संबंध के लिए आवश्यक शर्तें हैं। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के अब्दुल वहाब ने विदेश मंत्रालय से सवाल पूछा था कि क्या यह सच है विगत में कनाडा के साथ भारत के संबंध खराब हुए हैं। विदेश राज्यमंत्री ने राज्यसभा में एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 141 भारतीय मछुआरे श्रीलंका की हिरासत में हैं, जिनमें से 45 पर मुकदमा चल रहा है, जबकि 96 सजा काट रहे हैं। निरंतर कूटनीतिक प्रयासों से सरकार ने इस वर्ष पकड़े गए 351 मछुआरों की रिहाई और स्वदेश वापसी सुनिश्चित की है।

आधुनिक गवर्नेंस और लोकतंत्र के सिद्धांतों से मेल नहीं खाता

हालिया चुनावी विजय के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वक्फ कानून को जिस प्रकार आड़े हाथों लिया, उसने लंबे समय से चली आ रही बहस को एक नई हवा दी है। किसी भी आधुनिक पंथनिरपेक्ष लोकतंत्र में ऐसे कानून की उपस्थिति खटकती है। प्रधानमंत्री ने संवैधानिक मूल्यों की कसौटी के साथ ही इसकी वैधानिकता एवं प्रासंगिकता पर भी सवाल उठाए। वक्फ कानून मनमानी शक्तियां प्रदान करता है। कई बार संपत्ति का अधिकार और विधिसम्मत प्रक्रियाएं भी इस कानून

की बलि चढ़ जाती हैं। इस कानून को लेकर राजनीतिक तुष्टीकरण के चलते विधि के शासन और निष्पक्षता का पहलू गौण हो जाता है। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। तमिलनाडु स्थित तिरुचेंदुरई के किसान राजगोपाल ने जब अपनी जमीन बेचनी चाही तो उन्हें पता चला कि वह तो वक्फ की संपत्ति है। उसके बाद वह तंत्र की जटिलता के चक्कर में फंसकर रह गए। ऐसे अंतहीन उदाहरण हैं जब इस कानून की वजह से लोगों को पुश्तैनी संपत्ति गंवानी पड़ी। इसके कारण अपनी पहचान और आजीविका के साधन गंवाने वालों की मुश्किलों की बस कल्पना ही की जा सकती है। असल में वक्फ कानून वक्फ बोर्डों को असीम अधिकार प्रदान करता है कि वे बिना औपचारिक प्रक्रिया के ही किसी भी जमीन या संपत्ति पर अपना दावा कर सकें। लोकतांत्रिक समाज में ऐसे स्वेच्छाचारी कानून की कोई जगह नहीं हो सकती और उसे निश्चित ही निरस्त कर देना चाहिए। वक्फ अधिनियम धार्मिक या धर्मादा उद्देश्यों के लिए अपरिवर्तनीय रूप से समर्पित संपत्तियों को नियंत्रित करता है। यह कानून संपत्तियों को हमेशा के लिए वक्फ बोर्डों के नियंत्रण में करने का प्रविधान करता है। वक्फ बोर्ड उचित कानूनी प्रक्रिया के बिना ही सरकारी या निजी किसी भी प्रकार की संपत्ति को अपना बताने लगते हैं। उन्होंने अपना समानांतर न्यायिक ढांचा तक बना लिया है, जहां अर्जी लगाने से लेकर पैरवी और फैसला सुनाने वाले सभी उनके लोग होते हैं। वक्फ के बेलगाम दावों के चलते देश भर में मुकदमों का अंबार लगा हुआ है।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

मैथिली भाषा को पाठ्यक्रम में लागू होना चाहिए - शैलेन्द्र मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद के अध्यक्ष शैलेन्द्र मिश्रा ने अपने जिसमें मैथिली भाषा को मोदी सरकार ने संविधान में पास कराया इसके लिए धन्यवाद किया कि मैथिली भाषा की पढ़ाई सीबी ए सी बोर्ड एवं सरकारी स्कूल में कक्षा 1 से 12 तक कि पढ़ाई सुरु करे ंन्स् बी पी ए सी एवं सरकारी संस्थानों में मैथिली भाषा को लागू कराए और काफी मांग रखा गया सांसद जी सभी बातों को नोट किए और कहा बहुत जल्द इसका पत्र बनाकर भारत सरकार एवं विहार एवं दिल्ली सरकार को भेजा जायेगा ।प्रतिनिधि मंडल मे शैलेन्द्र मिश्रा अध्यक्ष दिवा कांत झा उपाध्यक्ष प्रेम शंकर झा महासचिव सुमित झा सचिव राज मंडल सचिव पंडित रवीन्द्र मिश्रा और कई सदस्य उपस्थिति हुए।

प्रतिनिधि मंडल के साथ दरभंगा लोकसभा के लोकप्रिय सांसद भाई गोपाल जी ठाकुर से उनके दिल्ली आवास कावेरी मे किया मुलाकात एवं ज्ञापन दिया। एवं मैथिली भाषा को लेकर अध्यक्ष ने कहा कि जब मैथिली भाषा को संविधान की मान्यता मिल गया तो आप भारत सरकार एवं बिहार सरकार को पत्र लिखिए

एसकेएम ने ग्रेटर नोएडा के किसानों की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा दिल्ली हाइवे पर दलित प्रेरणा स्थल पर किसानों की गिरफ्तारी के लिए एस के एस योगी है और एसकेएम न्यायपालिका से हस्तक्षेप करने और मौलिक अधिकारों की रक्षा करने का आग्रह करता है। एसकेएम उत्तर प्रदेश के

आदित्यनाथ सरकार की कड़ी निंदा करता है। पुलिस ने सौ से अधिक महिलाओं सहित सैकड़ों किसानों को गिरफ्तार किया है और उन्हें विरोध स्थल से जबरन हटा दिया है। यह शांतिपूर्ण विरोध के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन सीएम को याद दिलाता है कि पुलिस बल का उपयोग उन लोगों के ज्वलंत मुद्दों को हल नहीं कर सकता है जिन्होंने अपनी कीमती जमीन और आजीविका को थोड़े से पैसे के लिए खो दिया है। एसकेएम ने 2 दिसंबर 2024 को किसान नेतृत्व के साथ बनी आम सहमति का खुलेआम उल्लंघन करने के लिए राजस्व और पुलिस विभाग दोनों यूपी प्रशासन के अहंकार का विरोध किया, जिसमें यूपी के मुख्य सचिव को किसान नेतृत्व के साथ चर्चा करने और मांगों को हल करने के लिए 7 दिन का समय मांगा गया था। उनके अनुरोध के अनुसार, किसानों ने संघर्ष का स्थान अंबेडकर पार्क के दलित प्रेरणा स्थल पर स्थानांतरित कर दिया था और रात-दिन धरना संघर्ष जारी रखा था। लेकिन भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया और शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे किसानों को बलपूर्वक हटा दिया गया। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के किसानों को प्रभावित करने वाली परियोजना का उनके भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष पिछले 18 वर्षों से अधिक समय से जारी है। 2008, 2011 और 2012 के दौरान इस संघर्ष के तहत पुलिस गोलीबारी में छह किसान शहीद हुए थे। इस परिप्रेक्ष्य में, मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली तत्कालीन यूपीए 2 सरकार किसानों के भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (आरएफसीटीएलएआरआर अधिनियम) बनाने के लिए मजबूर हुई थी। लेकिन 2014 में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा नीत एनडीए 1 सरकार एलएआरआर अधिनियम 2013 को अमान्य करने के लिए भूमि अधिग्रहण अध्यादेश ले आई। भूमि अधिकार आंदोलन के बैनर तले देश भर में किसानों के संघर्ष के कारण वे कानून बनाने में विफल रहे। उत्तर प्रदेश सहित भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों ने एलएआरआर अधिनियम 2013 का उल्लंघन करने के लिए राज्य भूमि कानून लाए थे। लेकिन किसान अपने वास्तविक भूमि अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रख रहे हैं और ग्रेटर नोएडा परियोजना से प्रभावित किसानों का संघर्ष इस देशव्यापी संघर्ष का हिस्सा है। भूमि के सर्कलि रेट में 2017 से संशोधन नहीं किया गया है। यूपी में किसानों को रोजगार, पुनर्वास और पुनर्वास सहित एलएआरआर अधिनियम 2013 द्वारा सुनिश्चित पर्याप्त, वैध मुआवजे और लाभों से वंचित किया गया है। ग्रेटर नोएडा परियोजना से प्रभावित किसान विकसित भूमि का 10ज़् वापस पाने, भूमिहीन किसान परिवारों के लिए रोजगार, पुनर्वास और पुनर्वास के अलावा मुआवजे के रूप में सर्किल रेट की 4 गुना दर पाने के हकदार हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार परियोजना प्रभावित किसानों के इन वैध अधिकारों को सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। ग्रेटर नोएडा के किसानों के अलावा, पूरे उत्तर प्रदेश में लाखों किसान परिवार भी प्रभावित हैं।

बॉलीवुड/टेली मसाला

हाउसफुल 5 के सेट से नरगिस फाखरी ने साझा की मस्ती भरी तस्वीर, सोनम बाजवा-जैकलीन भी दिखीं साथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नरगिस फाखरी ने अपनी हाउसफुल 5 की को-स्टार सोनम बाजवा और जैकलीन फर्नांडीज के साथ एक मजेदार तस्वीर सोशल मीडिया हैंडल की स्टोरी पर शेयर की है। इससे पहले उन्होंने अक्षय कुमार और बाकी स्टारकास्ट के साथ आखिरी शेड्यूल की तस्वीर शेयर की थीं बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक हाउसफुल 5 का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। यह कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 6 जून, 2025 को रिलीज होने वाली है। चूंकि निर्माता फिल्म के अंतिम चरण में हैं, इसलिए टीम फिल्म की शूटिंग से अनदेखी झलकियां दर्शकों को दिखा रहे हैं, जिससे प्रशंसकों का उत्साह फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ जाए।

इसी बीच हाउसफुल 5 की अभिनेत्री नरगिस फाखरी ने अपनी सह-कलाकारों, सोनम बाजवा और जैकलीन फर्नांडीज के साथ एक तस्वीर साझा की और साथ ही एक मजेदार कमेंट भी लिखा। 3 दिसंबर को नरगिस फाखरी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर सोनम बाजवा और जैकलीन फर्नांडीज के साथ उनकी आने वाली फिल्म हाउसफुल 5 के सेट से एक शानदार तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में तीनों लीडिंग लेडीज मस्ती करते हुए नजर आ रही हैं, जो आने वाली कॉमेडी फिल्म में उनके किरदारों की झलक दे रही हैं। फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ठहम आपके लिए आ रहे हैं!ठ और इस पर सोनम और जैकलीन को टैग किया। इस तस्वीर से लगभग एक हफ्ते पहले, नाडियाडवाला ग्रैंडसन ने हाउसफुल 5 की पूरी कास्ट की ऑनस्क्रीन अवतार में एक शानदार तस्वीर शेयर की थी। इस खास तस्वीर में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, रितेश देशमुख, फरदीन खान, सोनम, नरगिस फाखरी, जैकलीन, चित्रांगदा सिंह, नाना पाटेकर, चंकी पांडे, डिनो मोरिया, जॉनी लीवर और अन्य सहित पूरी स्टार कास्ट को एक ही छत के नीचे देखकर सिनेप्रेमी खुशी से झूम उठे। टीम की तस्वीर को कैप्शन देते हुए उन्होंने लिखा, ठहमारे सिनेमाई सफर के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर रहे हैं! साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 -तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित। पिछले दिनों साजिद नाडियाडवाला ने 350 करोड़ रुपये के बड़े बजट पर हाउसफुल 5 बनाने की अपनी योजना की पुष्टि की थी। उन्होंने यूके में बड़े पैमाने पर इसकी शूटिंग करने का भी खुलासा किया था। हाउसफुल पहली ऐसी कॉमिक फ्रैंचाइजी बन जाएगी जिसके नाम पर 5 फिल्में होंगी। कहा जा रहा है कि पांचवीं किस्त में बड़ा धमाल, जमकर कॉमेडी और कई मजेदार सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। साजिद नाडियाडवाला द्वारा अपने बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित, हाउसफुल 5 अपनी निर्धारित तारीख 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बीच, काम के मोर्चे की बात करें तो अक्षय कुमार अगली बार जॉली एलएलबी 3 में दिखाई देंगे, उसके बाद हाउसफुल 5, वेलकम टू द जंगल, हेरा फेरी 3, और भूल बंगला में भी नजर आएंगे।

कब आएगी 'चांदनी चौक टू अफ्रीका' निखिल आडवाणी ने दिया बड़ा अपडेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। निखिल आडवाणी ने 'चांदनी चौक टू चाइना' के सीक्वल 'चांदनी चौक टू अफ्रीका' को लेकर खुलासा किया है कि यदि दर्शक इसे चाहते हैं, तो वह अक्षय कुमार से इस पर चर्चा करेंगे। साल 2009 में आई फिल्म 'चांदनी चौक टू चाइना' भले ही व्यवसायिक रूप से सफल नहीं हो सकी, लेकिन यह फिल्म दर्शकों के बीच काफी आज भी काफी ज्यादा लोकप्रिय है। इस फिल्म में अक्षय कुमार और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिकाओं में थे। यह फिल्म अपने एक्शन और कॉमेडी के लिए काफी पसंद की गई थी। अब फिल्म के निर्देशक निखिल आडवाणी ने इस फिल्म के सीक्वल 'चांदनी चौक टू अफ्रीका' के बारे में अहम जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि अगर दर्शक चाहते हैं तो वह अक्षय कुमार से इस पर बात करेंगे और फिल्म पर चर्चा करेंगे। मिर्ची प्लस से बातचीत करते हुए निखिल आडवाणी ने कहा कि उन्हें इस फिल्म के बारे में बहुत कुछ सुनने को मिल रहा है। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म कब रिलीज होगी तो उन्होंने कहा, ठपता नहीं यार।ठ साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि 'चांदनी चौक टू चाइना' का पहला आधा हिस्सा शानदार था, लेकिन वह अब भी यह समझने में असमर्थ हैं कि फिल्म को बड़े पर्दे पर इसे क्यों नहीं देखा गया। जब होस्ट ने उनसे कहा कि आज भी लोग फिल्म के सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं तो निखिल ने कहा कि वह इस बारे में अक्षय कुमार से जरूर बात करेंगे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह अक्सर सुबह जल्दी उठकर अक्षय कुमार से चार-पांच बजे बातचीत करते हैं और हम साथ में काम करने की योजना बना रहे हैं। निखिल ने यह भी बताया कि 'चांदनी चौक टू अफ्रीका' की योजना कभी नहीं बनाई गई थी, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि अगर 'चांदनी चौक टू चाइना' सफल होती है तो इसके दूसरे भाग पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अक्षय कुमार को दीपिका पादुकोण के साथ उनकी फिल्म बहुत पसंद आई थी, हालांकि फिल्म का दूसरे हाफ में कुछ समस्याएं थीं जिसके कारण यह बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो पाई। निखिल आडवाणी ने यह भी कहा कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह इस फिल्म के दूसरे हाफ को फिर से शूट करना चाहेंगे। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, रणवीर शौरी, रोजर युआन और चीनी अभिनेता गॉर्डन लियू जैसे सितारे भी थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार जल्द ही 'जॉली एलएलबी 3', 'हाउसफुल 5', 'वेलकम टू द जंगल', 'हेरा फेरी 3' और स्काई फोर्स जैसी फिल्मों में नजर आएंगे।

गोविंदा के बिना बनेगी 'भागम भाग 2 अभिनेता का प्रियदर्शन की फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गोविंदा ने फिल्म 'भागम भाग' के सीक्वल 'भागम भाग 2' पर खुलकर बात की है। साथ ही प्रियदर्शन की फिल्म पर बड़ा खुलासा करते नजर आए हैं।

प्रियदर्शन ने साल 2006 में फिल्म 'भागम भाग' बनाई, जिसमें हंसी के जबर्दस्त तालमेल ने दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म में अक्षय कुमार, गोविंदा और परेश रावल की कॉमेडी पावरहाउस तिकड़ी मुख्य भूमिकाओं में थी। अब, दो दशक बाद इसके सीक्वल को लेकर चर्चा बढ़ रही है। हालांकि, गोविंदा ने हाल ही में खुलासा किया कि इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल के लिए उनसे संपर्क नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि क्या उन्हें फिल्म का हिस्सा बनने में दिलचस्पी है। गोविंदा ने हालिया इंटरव्यू में एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उन्हें कॉमेडी सीक्वल 'भागम भाग 2' के लिए नहीं चुना गया है। अभिनेता ने कहा, 'किसी ने भी भागम भाग 2 के लिए मुझसे संपर्क नहीं किया है या चर्चा के लिए नहीं बैठा है। मेरे बारे में सिर्फ भागम भाग 2 ही नहीं, बल्कि पार्टनर सहित कई अन्य सीक्वल से जुड़ने की भी कहानियां चारों ओर फैल रही हैं।' प्रियदर्शन की 'भागम भाग' के बहुप्रतीक्षित सीक्वल का निर्माण अगले साल शुरू होने वाला है। इसे लेकर जब गोविंदा से उनकी संभावित भागीदारी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनका निर्णय कई महत्वपूर्ण चीजों पर निर्भर करेगा। अभिनेता ने कहा कि सीक्वल के मौजूदा चलन से प्रभावित होने के बजाय वह पहले स्क्रिप्ट, किरदार, निर्देशक और कई अन्य शर्तों के मूल्यांकन को महत्व देंगे। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में अपनी हालिया उपस्थिति के दौरान गोविंदा ने अपने अगले बड़े स्क्रीन प्रोजेक्ट्स- 'बाएं हाथ का खेल', 'पिंकी डार्लिंग' और 'लेन डेनः इट्स ऑल अबाउट बिजनेस' का खुलासा करके प्रशंसकों को खुश कर दिया। अपनी शानदार कॉमेडी टाइमिंग के लिए जाने जाने वाले अभिनेता आखिरकार वापसी करने जा रहे हैं और यह वापसी दर्शकों के लिए एक ट्रीट होने का वादा करती है। वापसी पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, गोविंदा ने साझा किया कि उन्होंने इन फिल्मों को काफी सोच विचार के बाद साइन किया है। यह 2019 में उनकी आखिरी रिलीज 2019 में उनकी आखिरी रिलीज 'आ गया हीरो' के बाद एक रोमांचक नए अध्याय को चिह्नित करती है।

नागा की होने वाली दुल्हन शोभिता को लेकर सामंता ने दिया प्यारा रिएक्शन लिखा- सबसे प्यारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला आज 4 दिसंबर को शादी कर रहे हैं। शादी से पहले उन्होंने अपनी बहन और उनके माता-पिता के साथ पोज दिया। शोभिता और नागा चैतन्य ने इस साल अगस्त में अपनी शादी की घोषणा की थी। इस जोड़े ने हैदराबाद में एक गुप्त सगाई समारोह आयोजित किया था। उनकी सगाई की खबर तब नागार्जुन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की थी। शानदार तस्वीरों के साथ नागार्जुन ने लिखा था, ठहमें अपने बेटे नागा चैतन्य की सगाई की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो आज सुबह 9:42 बजे सोभिता धुलिपाला से हुई!! हम उसे अपने परिवार में स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं। खुश जोड़े को बधाई! उन्हें जीवन भर प्यार और खुशी की कामना करता हूं। भगवान भला करे! 8.8.8। अनंत प्रेम की शुरुआतठ। नागा चैतन्य ने शोभिता और उसके परिवार के साथ अपने बंधन के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ठपिछले कुछ महीनों में शोभिता और उसके परिवार को जानना बहुत अच्छा रहा है, परिवारों को आपस में मिलते देखना एक खुशी की बात है।

दुल्हन की कई तस्वीरें ऑनलाइन सामने आ चुकी हैं। ऐसे में अब सामंता धुलिपाला ने अपनी बहन शोभिता के लिए एक खास कमेंट किया है। नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला बुधवार , 4 दिसंबर को शादी करने जा रहे हैं। यह जोड़ा अभिनेता और नागा चैतन्य के पिता नागार्जुन अक्किनेनी के स्वामित्व वाले अन्नपूर्णा स्टूडियो में अपनी शादी की कसमें लेने के लिए तैयार है। शादी से पहले, शोभिता की बहन सामंता धुलिपाला ने इंस्टाग्राम पर दुल्हन पर प्यार बरसाया। सामंता ने शोभिता के पेली कुथुरु समारोह की तस्वीरें साझा कीं और मेड इन हेवन अभिनेत्री को 'सबसे प्यारी इंसान' कहा। उन्होंने लिखा, ठसबसे खूबसूरत पेली कुथुरु और अब तक की सबसे स्नेही इंसान को चीयर्स। आपके लिए केवल प्यार अक्का। सोचाय।ठतस्वीरों में शोभिता लाल रंग के कपड़े पहने हुए हैं, जो दुल्हन के रूप में उनके लुक की झलक दिखा रहा है। पारंपरिक साड़ी और सोने के आभूषण पहने हुए शोभिता समारोह में बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

रैपर एमिनेम की मां डेबी नेल्सन का निधन, इस गंभीर बीमारी से जंग लड़ते हुए ली आखिरी सांस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रैपर एमिनेम की मां डेबी नेल्सन का 69 साल की उम्र में निधन हो गया है। नेल्सन बीते कुछ वक्त से इस गंभीर बीमारी से जंग लड़ रही थीं। रैपर एमिनेम की मां डेबी नेल्सन ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। रैपर की मां बीते कुछ समय से कैंसर से पीड़ित थीं। वहीं, इस बीमारी से जंग लड़ते हुए 69 साल की उम्र में उनका निधन हो गया है। जानकारी के अनुसार, रैपर की मां का निधन सोमवार, 2 दिसंबर की शाम को सेंट जोसेफ, मिसौरी में हुआ। 1955 में कंसास में जन्मीं नेल्सन ने 2008 के अपने संस्मरण 'माई सन मार्शल, माई सन एमिनेम' में अराजक घरेलू माहौल में अपनी परवरिश का वर्णन किया। जब वह 10 साल से भी कम उम्र की थीं तभी उनके माता-पिता का तलाक हो गया था, जिससे पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ी होने के कारण उन्हें बहुत कम उम्र में परिवार की जिम्मेदारी लेनी पड़ी। 16 साल की उम्र में, नेल्सन ने मार्शल ब्रूस मैथर्स जूनियर से शादी की। दो साल बाद अक्तूबर 1972 में उन्होंने रैपर को जन्म दिया। 52 वर्षीय ग्रैमी-विजेता रैपर एमिनेम का अपनी मां के साथ रिश्ता काफी उथल-पुथल भरा रहा था। उन्होंने अपने 2002 के गाने 'क्लीनिन आउट माई क्लोसेट' में, एम ने अपने गाने 'हेडलाइट्स' के माध्यम से अपनी मां से माफी मांगी। उन्होंने अपने पालन-पोषण में उनकी भूमिका को स्वीकार किया और खेद व्यक्त किया कि उन्होंने उन्हें पहले धन्यवाद नहीं दिया। हाल के वर्षों में डेबी दूर से अपने बेटे का समर्थन करती नजर आईं। 2022 में शैडी को 'रॉक एंड रोल हॉल ऑफ फेम' में शामिल किए जाने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया और यहां तक कि एक वीडियो संदेश के जरिए उन्हें बधाई दी थी।

सार्वजनिक रूप से उनका मजाक उड़ाया था। अपनी मां के बारे में एम के तंज भरे गानों के लिए उन पर 11 मिलियन अमरीकी डॉलर का मानहानि का मुकदमा भी दर्ज हुआ था। जटिल रिश्ते के बावजूद नेल्सन ने कहा था कि वह अपने बेटे के साथ शांति बनाना चाहती थीं। उन्होंने आगे बढ़ने और अतीत की नाराजगी पर ध्यान न देने का आह्वान किया। 2013

कभी 'जग्गू' तो कभी 'मानव', जावेद जाफरी ने इन किरदारों से दर्शकों के दिलों में बनाई खास जगह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जावेद जाफरी ने अपनी अदाकारी और शानदार कॉमिक टाइमिंग से भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक खास स्थान हासिल किया है। उनके निभाए गए किरदार ने लोगों के मन में अमिट छाप छोड़ी है। जावेद जाफरी का नाम भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के उन कलाकारों में शुमार किया जाता है, जिनकी अदाकारी और कॉमिक टाइमिंग ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई है। चाहे वह फिल्म हो या टेलीविजन, जावेद जाफरी ने अपने अद्भुत अभिनय से दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई है। उनकी फिल्मों के यादगार किरदारों ने उन्हें हर वर्ग के दर्शकों में लोकप्रिय बना दिया है। उनके जन्मदिन पर आइए जानते हैं जावेद जाफरी के कुछ ऐसे किरदारों के बारे में, जिन्होंने उन्हें इंडस्ट्री में खास पहचान दिलाई। जावेद जाफरी का किरदार 'जजंतरम ममंतरम' में आदित्य पंडित के रूप में खासा लोकप्रिय हुआ। इस फिल्म में जावेद ने मजेदार किरदार निभाया था, जो बच्चों से लेकर बड़ों तक को खूब पसंद आया। मस्ती-मजाक से भरा उनका यह किरदार दर्शकों के दिलों में आज भी बसा हुआ है। फिल्म 'सलाम नमस्ते' में जावेद जाफरी ने जग्गू का किरदार निभाया था। उन्होंने ने इस किरदार को अपने स्वाभाविक कॉमिक से बहुत ही बेहतरीन तरीके से निभाया, जिससे यह किरदार दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय हुआ। फिल्म में सैफ अली खान के साथ उनकी जुगलबंदी लोगों को खूब पसंद आई। जावेद जाफरी ने फिल्म 'धमाल' में मानव श्रीवास्तव का किरदार निभाया था, जो एक सटीक कॉमिक टाइमिंग और मजेदार संवादों के साथ दर्शकों का दिल जीतने में सफल रहा। जावेद का यह किरदार हास्य से भरपूर था। उनका किरदार अब भी भारतीय फिल्म प्रेमियों के बीच याद काफी ज्यादा लोकप्रिय है। फिल्म 'सिंह इज किंग' में जावेद जाफरी ने मीका सिंह का किरदार निभाया था। फिल्म में उन्होंने इस किरदार में अपनी शानदार अदाकारी से जान भर दी थी। फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था। वहीं, इस फिल्म में मुख्य भूमिका में अक्षय कुमार नजर आए थे। जावेद जाफरी की बेहतरीन अदाकारी वाली फिल्मों में थ्री इडियट्स का नाम भी शामिल है। इस फिल्म में उन्होंने भले ही छोटा सा किरदार निभाया था, लेकिन दर्शकों पर उनके अभिनय का जादू खूब चला था। फिल्म में आमिर खान, आर माधवन और शरमन जोशी मुख्य भूमिकाओं में थे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।